''राष्ट्रीय हिंदी दैनिक अखबार''

समाचार गेट

HARHIN11569

वर्ष 02, अंक 101 पृष्ठ 08 मूल्य 01 रूपए शनिवार, 12 अप्रैल 2025 samachargate@gmail.com

जरूरी सूचना

सुधी पाठकों को सूचित किया जाता है कि समाचार गेट के नाम पर अगर कोई पत्रकार आपसे पैसे की मांग करता है तो कृपया 9212339503 पर संपर्क करें। समाचार गेट में कार्य कर रहे पत्रकार सिर्फ वही हैं जिनके नाम से खबर छपती हैं।

नशा मुक्ति की ओर बढ़ा हरियाणा : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने फरीदाबाद से रवाना की साइक्लोथॉन यात्रा

साइक्लोथॉन 2.0 एक जन आंदोलन का रूप ले चुकी है : कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। हरियाणा में नशे के खिलाफ छेड़े गए अभियान को और मजबूत करते हुए शुक्रवार को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने फरीदाबाद के सेक्टर-12 स्थित खेल परिसर से साइक्लोथॉन 2.0 को हरी झंडी दिखाकर गुरुग्राम के लिए रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने स्वयं भी साइकिल चलाकर यात्रा में भाग लिया और युवाओं के साथ कदम से कदम मिलाया। यह साइक्लोथॉन 5 अप्रैल को हिसार से आरंभ हुई थी और इसका उद्देश्य हैप्रदेश में नशे के खिलाफ जनजागरूकता फैलाना और युवाओं को इस सामाजिक बुराई के विरुद्ध एकजुट करना। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री श्री विपुल गोयल, राज्य मंत्री श्री राजेश नागर, विधायक सतीश फागना, विधायक धनेश अदलखा सहित कई अन्य भाजपा नेता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

इस मौके पर कैबिनेट मंत्री श्री विपुल गोयल ने कहा, हमारे यशस्वी मुख्यमंत्री जी द्वारा शुरू की गई यह साइकिल यात्रा उम्मीद से कहीं ज्यादा प्रभावशाली सिद्ध हो रही है। युवाओं, विद्यार्थियों, समाजसेवियों और आम नागरिकों की भागीदारी इस बात का प्रमाण है कि हरियाणा अब नशे के खिलाफ एकजुट हो चुका है। उन्होंने कहा कि नशे की समस्या केवल योजनाओं से नहीं, बल्कि जनता की सक्रिय सहभागिता से खत्म की जा सकती है। उन्होंने साइक्लोथॉन के प्रतिभागियों को 'नशा मुक्त हरियाणा' के सैनिक बताते हुए कहा, आप सब केवल प्रतिभागी नहीं, बल्कि परिवर्तन के वाहक हैं। विपुल गोयल ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री सैनी ने हाल ही के बजट सत्र में 'संकल्प' मुहिम की विशेष घोषणा की है, जिसके अंतर्गत नशा मुक्ति के लिए अलग बजट निर्धारित किया गया है और मिशन मोड में कार्य किया जाएगा। इस अवसर पर विपुल ने अमेरिका के एक प्रांत का उदाहरण देते हुए चेताया कि नशे के कारण वहाँ की स्थिति इतनी भयावह हो चुकी है कि लोग वर्षों से सड़क किनारे बेहोशी की हालत में जीवन काट रहे हैं। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि फैशन या दिखावे के लिए कभी नशे की ओर न बढ़ें और न ही किसी को बढ़ने दें। उन्होंने यह भी बताया कि अवैध नशा केवल युवाओं के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक नहीं है, बल्कि यह देश की सुरक्षा के लिए भी खतरा है, क्योंकि इससे आतंकवाद को अप्रत्यक्ष रूप से समर्थन मिलता है। साइक्लोथॉन 2.0 हरियाणा में एक जन आंदोलन का रूप ले चुकी है, और मुख्यमंत्री की यह पहल प्रदेश के युवाओं को सकारात्मक दिशा में प्रेरित कर रही है। यह यात्रा न केवल एक खेल आयोजन है, बल्कि समाज को नशा मुक्त बनाने की दिशा में उठाया गया एक निर्णायक कदम है।

बडखल में भाजपा का सक्रिय सदस्यता सम्मेलन, वक्ताओं ने केंद्र और प्रदेश सरकार की उपलब्धियों पर डाला प्रकाश

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। सक्रिय सदस्य सम्मलेन में पूर्व कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह दिन रात जनता को सशक्त करने और प्रदेश का चंहुमुखी विकास करने का कार्य कर रहें हैं । जनहित व कल्याणकारी योजनाओं का लाभ जनता को ज्यादा से ज्यादा कैसे पहुंचें, इसके लिए लगातार प्रयासरत हैं । प्रदेश में युवाओं को बिन पर्ची और बिन खर्ची के नौकरियां मिल रही है। केंद्र और प्रदेश में भाजपा सरकार ने गरीबों, महिलाओं, युवाओं और किसानों के उत्थान के लिए अनेकों काम किये हैं और भाजपा सरकार के पिछले 10 वर्षों के कार्यकाल में देश और प्रदेश की जनता खुशहाल हुई है।

फरीदाबाद के बडखल विधानसभा में बडखल से विधायक धनेश अद्लक्खा के संयोजन में भारतीय जनता पार्टी के सक्रिय सदस्यता सम्मेलन का आयोजन हुआ। सम्मेलन में वक्ताओं के तौर पर उपस्थित रहें भाजपा के वरिष्ठ नेताओं, पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं बल्लभगढ़ से विधायक मूलचंद शर्मा, बडखल से विधायक धनेश अद्लक्खा एवं पूर्व शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा ने संगठनात्मक विषयों पर सक्रिय सदस्यों का मार्गदर्शन किया और केंद्र एवं प्रदेश सरकार की उपलब्धियों को साँझा किया । शिवा ब्लेसिंग बैंकट हॉल में आयोजित सक्रिय सदस्यता सम्मेलन में वक्ताओं ने संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया और सरकार की योजनाओं को जन जन तक पंहुचाने का आह्वान किया। इस अवसर पर फरीदाबाद की नवनिर्वाचित नगर निगम महापौर श्रीमती प्रवीण बत्रा जोशी, फरीदाबाद भाजपा जिला अध्यक्ष पंकज पूजन रामपाल, जिला प्रभारी नरेंद्र वत्स, जिला महामंत्री सुरेंद्र जांगड़ा, मनोज वशिष्ठ, पूर्व महापौर एवं पार्षद सुमन बाला,पूर्व जिला अध्यक्ष राजकुमार वोहरा, मंडल अध्यक्ष अमित आहूजा, कर्मबीर बैसला, मनप्रीत सिंह,

आनंद कश्यप, पार्षद जसवंत सिंह, मनोज नसवा, जगत फागना, हरेंद्र भड़ाना, हरीकिशन गिरोटी,अश्वनी गुलाटी,अल्का भाटिया,रीटा गुसाईं,राधेश्याम भाटिया और काफी संख्या में सक्रिय सदस्यों की उपस्थिति रही ।

समर्पित कार्यकर्ताओं के कारण लगातार 3 बार बनी केंद्र और प्रदेश में सरकार : धनेश अद्लक्खा

बडखल से विधायक धनेश अद्लक्खा ने कहा कि भाजपा संगठन में समर्पित कार्यकर्ताओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। भाजपा के कार्यकर्ताओं ने अथक परिश्रम, निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य किया जिसका परिणाम रहा की केन्द्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर लगतार तीसरी बार सांसद बने, देश में मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार बनी । हरियाणा की जनता ने पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल जी की नीतियों पर मोहर लगाते हुए, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी जी के नेतृत्व में प्रदेश में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनाई। नगर निगम चुनाव में मेयर की सबसे बड़ी जीत और 46 में से 39 पार्षदों की जीत भी भाजपा सरकार के जन कल्याणकारी नीतियों और कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम का परिणाम है । उन्होंने सभी सक्रिय कार्यकर्ताओं को बधाई दी और कहा कि पार्टी में जो भी दायित्व मिले उसका निर्वहन पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ करें ।

संगठन को मजबूत करने का कार्य करें कार्यकर्त्ता : सीमा त्रिखा

सक्रिय सदस्यों को संबोधित करते हुए पूर्व शिक्षा मंत्री श्रीमती सीमा त्रिखा ने कहा अटल जी और आडवानी से जो पार्टी 1980 में शुरू हुई, आज विश्व की सबसे बड़ी राजनैतिक पार्टी है। 2 सांसदों वाली पार्टी की आज लगातार तीसरी बार केंद्र में भाजपा सरकार है और देश के आधे से ज्यादा राज्यों में भाजपा की सरकारें है । जो संगठनात्मक कार्यक्रम मिलते हैं उन सभी का बहुत महत्व है। इन कार्यक्रमों के माध्यम से कार्यकर्त्ता संगठन विस्तार कर संगठन को मजबूत करने का काम करते हैं । श्रीमती सीमा त्रिखा ने कहा कि कार्यकर्त्ता लोक संपर्क, लोक संवाद के माध्यम से बूथ को मजबूत कर संगठन को मजबूत करें और केंद्र व प्रदेश सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का जनता को लाभ दिलवाएं । जि़ला अध्यक्ष पंकज रामपाल ने भी संगठनात्मक विषयों पर कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया और संगठन को मज़बूत करने के लिए संगठन की कार्यशैली की विस्तृत जानकारी दी।

यूनिवर्सल फाउंडेशन एकेडमी के उद्घाटन समारोह का आयोजन

समाचार गेट/संजय शर्मा

पलवल। हथीन स्थित यूनिवर्सल फाउंडेशन एकेडमी के उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में विधायक चौधरी इसराइल खान एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता लुकमान रमीज और साथ में मास्टर शकील अहमद एवं मास्टर हसन मोहम्मद मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

इस अवसर पर विधायक चौधरी इसराइल खान कहा कि यूनिवर्सल फाउंडेशन अकादमी के खुलने से यहां के हजारों छात्रों के भविष्य का रास्ता तय होगा। इस अवसर पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता लुकमान रमीज ने कहा कि यूनिवर्सल फाउंडेशन अकादमी यहां के छात्रों के लिए मील का पत्थर साबित होगी।

स्लेजहैमर क्रिकेट अकादमी ने विटालिटी क्रिकेट अकादमी को 88 रन से हराया

समाचार गेट/संजय शर्मा

एक्स अंडीफिटेड आर्मी 8वां ऑल इंडिया रविंद्र फागना -17 डेनाइट क्रिकेट टूर्नामेंट रविंद्र फागना क्रिक्रेट भूमि ग्राउंड फरीदाबाद पर खेला गया यह मैच स्लेजहैमर क्रिकेट अकादमी और विटालिटी क्रिकेट अकादमी के बीच खेला गया। इस मैच मैं स्लेजहैमर क्रिकेट अकादमी ने विटालिटी क्रिकेट अकादमी को 88 रन से हराया, यह मैच 40 ओवर का था और स्लेजहैमर क्रिकेट अकादमी ने पहले टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। स्लेजहैमर क्रिकेट अकादमी की ओर से बल्लेबाजी करते हुए टीम ने 35 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 224 रन का लक्ष्य दिया। स्लेजहैमर क्रिकेट अकादमी की ओर से बल्लेबाजी करते हुए पार्थ भडाना ने 68 गेंदों पर 7 चौके, 7 छक्के की मदद से 90 रन, और चैतन्य 59 गेंदों पर 9 चौके की मदद से 36 रन बनाए। विटालिटी क्रिकेट अकादमी की ओर से गेंदबाजी करते हुए फरहान अख्तर और मोहम्मद कैफ ने 22 विकेट, मोहम्मद दिलशाद और हजरत खान ने 11 विकेट हासिल किया। इस लक्ष्य का पीछा करते हुए विटालिटी क्रिकेट अकादमी ने 27.5 ओवर में 10 विकेट के नुकसान पर 136 रन बनाकर हार का सामना करना पड़ा। विटालिटी क्रिकेट अकादमी की और से बल्लेबाजी करते हुए हिमांशु सैनी ने 40 गेंद पर 5 चौके, 1 छक्के की मदद से 40 रन, आकिल गोरवाल ने 16 गेंदों पर 3 चौके, 1 छक्के की मदद से 23 रन बनाए। स्लेजहैमर क्रिकेट अकादमी की ओर से गेंदबाजी करते हुए वैभव कुमार ने 3.5 ओवर में 1 मेडन 12 रन देकर 4 विकेट, आदित्य बिष्ट ओर प्रीत तंवर ने 33 विकेट लिया।

मैन ऑफ द मैच वैभव कुमार व फाइटर ऑफ द मैच महोम्मद कैफ को घोषित किया गया।

साइबर धोखाधड़ी के विरुद्ध जागरूकता एवं विधिक सहायता अभियान

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। हरियाणा राज्य विधिक सेवाएं प्राधिकरण, पंचकुला के दिशा-निर्देशों के अंतर्गत एवं श्री संदीप गर्ग, जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण, फरीदाबाद के मार्गदर्शन में, तथा श्रीमती रितु यादव, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं सचिव, जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण, फरीदाबाद की उपस्थिति एवं निगरानी में एक विशेष जागरूकता अभियान का आयोजन अपने डिजिटल संसार को सुरक्षित बनाएं: साइबर धोखाधड़ी के विरुद्ध जागरूकता एवं विधिक सहायता विषय पर प्लेस ऑफ सेफ्टी, एनआईटी, फरीदाबाद में किया गया।

इस कार्यक्रम का आयोजन बी.एस. अनंगपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ के छात्रों के लिए किया गया, जिसमें साइबर क्राइम पुलिस, फरीदाबाद के अधिकारियों श्री भागीरथ एवं श्री सुनील कुमार ने विशेषज्ञ वक्ता के रूप में भाग लिया। उन्होंने छात्रों को वर्तमान समय में तीव्र गति से बढ़ रहे साइबर अपराधों जैसेवेबसाइट फ्रॉड, ओटीपी धोखाधड़ी, फिशिंग अटैक, फर्जी लिंक, सोशल मीडिया अकाउंट हैकिंग, डिजिटल पेमेंट से जुड़े फ्रॉड, और व्यक्तिगत डाटा की चोरी आदि के बारे में अत्यंत सरल भाषा में जागरूक किया तथा बताया कि इनसे

कैसे बचा जा सकता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जागरूकता ही सबसे बड़ा बचाव है, और सभी नागरिकों को इंटरनेट एवं डिजिटल संसाधनों का प्रयोग करते समय सावधानी बरतनी चाहिए। साथ ही साइबर अपराधों की रिपोर्टिंग के लिए साइबर हेल्पलाइन नंबर और पोर्टल की जानकारी भी छात्रों को प्रदान की गई।

मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी श्रीमती रितु यादव ने इस अवसर पर छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि यह अभियान विद्यार्थियों को न केवल साइबर खतरों के प्रति जागरूक करने हेतु चलाया जा रहा है बल्कि यह भी सुनिश्चित करता है कि साइबर अपराध के पीड़ितों को त्वरित एवं प्रभावी विधिक सहायता प्रदान की जाए।

लखनऊ में वक्फ बिल-सऊदी अरब के खिलाफ प्रदर्शन

बड़ा इमामबाड़ा और टीले वाली मस्जिद पर भारी फोर्स तैनात, SSB के जवान भी मुस्तैद

लखनऊ। जुमे की नमाज के बाद वक्फ बिल के खिलाफ फिर से प्रदर्शन किया गया। इसमें सऊदी अरब की हुकूमत का भी विरोध किया जा रहा है। प्रदर्शन का नेतृत्व शिया धर्म गुरु मौलाना कल्बे जव्वाद कर रहे हैं। जुमे की नमाज के बाद बड़े प्रदर्शन को देखते हुए भारी फोर्स तैनात की गई। 1 कंपनी पीएससी, 1 कंपनी एसएसबी समेत 200 से ज्यादा पुलिसकर्मी मुस्तैद रही। बड़ा इमामबाड़ा स्थित आसिफी मस्जिद पर मजलिसे उलेमा-ए-हिंद की ओर से प्रदर्शन

का आह्वान किया गया था। टीले वाली मस्जिद पर भी वक्फ बिल को ध्यान में रखकर फोर्स तैनात की गई है। मजलिसे उलेमा-ए-हिंद की ओर से कहा गया है कि सऊदी अरब के मदीना शहर में इस्लामिक मान्यताओं के खिलाफ काम किया गया। पैगंबर मोहम्मद साहब की बेटी और चार इमामों की मजार को सऊदी हुकूमत ने ध्वस्त कर दिया था। डीसीपी पश्चिम विश्वजीत श्रीवास्तव ने बताया कि सुरक्षा के पर्याप्त व्यवस्था है। जुमे को इमामबाड़ा पर पहले से ही फोर्स तैनात कर दी जाती है। लोग शांतिपूर्ण तरीके से नमाज पढ़ने के लिए आ रहे हैं। विरोध प्रदर्शन को देखते हुए अतिरिक्त फोर्स लगाई गई है। उधर, संगठन की ओर से कहा गया कि 1925 में सऊदी हुकूमत ने इस्लाम के आखिरी पैगंबर मोहम्मद साहब की बेटी हजरत फातिमा जहरा के रोजे को ढहा दिया था। जन्नतुल बकी कब्रिस्तान में न सिर्फ मोहम्मद साहब की बेटी फातिमा जहरा की कब्र है, बल्कि इसमें उनकी बीवी, उनके दादा और नवासे हजरत इमाम हसन समेत कई उनके साथियों की कब्र मौजूद है।

जन कल्याणकारी योजनाएं चला रही सरकार: गोपाल जी राय

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। नगरपालिका कुशीनगर के वार्ड संख्या 22 महंथ अवैद्यनाथ नगर (सिसवा - महंथ) निवासी भाजपा नेता गोपालजी राय ने योगी सरकार के आठ साल पूरे होने के उपलक्ष्य में डोर टू डोर संपर्क कर लोगों को भाजपा सरकार की उपलब्धियां बतायी। शुक्रवार को श्री राय ने सिसवा - महंथ, डुमरी, खेदनी, सबया, कसया सहित कई गांवों में जाकर घर-घर संपर्क अभियान कर लोगों को सरकार की उपलब्धियों का पत्रक बांटा। श्री राय ने कहा कि योगी सरकार ने आठ वर्षों में विकास, सुरक्षा और समृद्धि के नए मानक स्थापित किए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के शासनकाल में डबल इंजन की

सरकार ने विकास, रोजगार, शांति, सुरक्षा, सुशासन को लेकर ऐतिहासिक कार्य किए हैं। महिलाओं को सुरक्षा, सम्मान और स्वालंबन, युवाओं को रोजगार, किसानों को कृषि बीमा, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, आवास, पेंशन, शौचालय, शिक्षा, स्वास्थ्य आदि योजनाएं जन कल्याण के लिए मोदी और योगी सरकार चला रही है।

निजी स्कूलों के मनमाने पर रोक के लिए कांग्रेस ने सौंपा ज्ञापन

संवाददाता

कुशीनगर। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर मनमानी फीस वृद्धि एवं बताई गई दुकानों से किताब और यूनिफॉर्म की खरीदो फरोख्त के विरुद्ध पार्टी के जिलाध्यक्ष रविंद्र विश्वकर्मा राधे के नेतृत्व में महामहिम राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन जिला अधिकारी को सौंप निजी स्कूलों के मनमाने पर रोक की मांग की। सैकड़ों पदाधिकारियों और कार्यकताओं के साथ शुक्रवार को सौंपे ज्ञापन में कांग्रेस पार्टी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के सभी स्कूलों में नए सत्र का प्रारंभ हो चुका है। प्रदेश के

निजी स्कूल पूरी तरह से मनमानी पर उतारू हो चुके हैं एवं विद्यालयों को उन्होंने लूट का तंत्र बना दिया है। वे न सिर्फ मनमानी फीस वृद्धि कर रहे हैं बल्कि अपनी बताई गई दुकानों से ही किताबें और यूनिफॉर्म मनमाने दामों पर खरीदने के लिए अभिभावकों पर दबाव बना रहे हैं। जिलाध्यक्ष श्री विश्वकर्मा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी निजी स्कूलों के इस निरंकुश और शोषण परवर्ती की घोर निंदा करती है एवं आपसे मांग करती है कि इस लूट तंत्र का त्वरित संज्ञान लेते हुए निजी स्कूल हेतु फीस किताबें और यूनिफार्म के लिए एक न्याय उचित एवं छात्र हितकारी नियमावली अविलंब बनाने की कृपा करें। ज्ञापन देने वालों में तारकेश्वर सिंह, जे एन प्रसाद सिंह, अशोक सिंह, प्रमोद तिवारी, मोहम्मद जहीरूद्दीन, अनिल यादव, साजिद अली, अरशद अली, पलटन यादव, आफताब आलम, नागेंद्र सिंह, मो. वारिस अली ,जय सिंह, अविनाश गौड़, सिराज अंसारी, सुरेश चंद्र मिश्रा, शबनम खातून सरोज गौतम, नदीम, सरवर, आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पूर्व विधायक रजनीकान्त मणि ने की योजनाओं की चर्चा

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। भारतीय जनता पार्टी स्थापना दिवस अभियान के उपलक्ष्य में वार्ड चलो अभियान के क्रम में पूर्व विधायक रजनीकान्त मणि त्रिपाठी ने नपा कुशीनगर के वार्ड संख्या 19 शिवजी नगर (मुंडेरा रत्न पट्टी) मे आयोजित चौपाल में सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों की चर्चा की। शुक्रवार को आयोजित चौपाल को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक रजनी कान्त मणि त्रिपाठी ने कहा कि देवतुल्य कार्यकताओं की तपस्या और कठिन परिश्रम का परिणाम है की

आज हम विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है । पार्टी का मिशन 2047 तक देश को विकसित राष्ट्र बनाने का है। वार्ड में विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों से मिलकर चर्चा की गई और शोभायात्रा निकाली गई। बूथ समिति के भाजपा के वरिष्ठ कार्यकताओं का सम्मान अंगवस्त्र देकर श्री त्रिपाठी ने किया। स्वच्छता कार्यक्रम में सभी ने झाड़ू लगाकर सफाई की। इस अवसर पर सभासद गिरजेश सिंह, बलिराम दास, सुरेश सिंह, सुनील पांडेय, मुकेश द्विवेदी, ओमप्रकाश सिंह, जगदीश, प्रभु देव, सुभाष सिंह, राधेश्याम आदि उपस्थित रहे।

मां बोली- मेरे सामने बेटे को कुत्तों ने नोच डाला

फरुर्खाबाद। गांव में कुत्तों ने आतंक मचा रखा है। डर की वजह से लोग बच्चों को घर से बाहर नहीं निकलने दे रहे। गांव में ही प्राथमिक स्कूल है। अधिकांश लोग बच्चों को खुद स्कूल छोड़ने जा रहे हैं। उम्रदराज लोग भी झुंड में लाठी-डंडे लेकर निकल रहे हैं। ये हाल फरुर्खाबाद से 5 किलोमीटर दूर रामनगर कुटरा गांव का है। जहां सोमवार शाम को 5 महीने के बच्चे को कुत्ते खा गए। मां शिखा ने बताया- मैं बेटे को लिटाकर पानी भरने गई थी। पानी भर ही रही थी कि कुत्ते आ गए और बेटे को नोचने लगे। बचाने के लिए दौड़ी तो मुझपर भी हमला कर दिया। गांव में 80 से 100 घर हैं। आबादी करीब 700 की है। गांव में लाइट नहीं है। पक्की सड़क नहीं है। अधिकतर कच्चे मकान हैं। कुछ ही लोगों के यहां नल है। लोग सरकारी हैंडपंप से पानी भरते हैं। टीम लोगों से पूछते हुए पीड़ित परिवार के घर पहुंची। वहां 5 महीने के बच्चे धीरज के पिता राजू मिले। राजू ने बताया- हम काम पर गए थे। मेरा सबसे छोटा बच्चा धीरज सो रहा था। मेरी पत्नी के सामने मेरे बच्चे को कुत्ते खा रहे थे। वो देखकर चिल्लाने लगी। उसने छुड़ाने की कोशिश की। उसके पूरे शरीर पर जख्म थे।

अयोध्या में महिलाओं का नहाते हुए वीडियो बना रहा था

अयोध्या। गेस्ट हाउस में महिला का नहाते हुए वीडियो बना रहा युवक पकड़ा गया। शुक्रवार सुबह साढ़े 6 बजे महिला श्रद्धालु बाथरूम में नहा रही थी, तभी उसे आरोपी की परछाई दिखाई दी।महिला ने देखा तो युवक वीडियो बना रहा था। महिला घबरा गई और चीखते हुए बाथरूम से बाहर निकली। उसकी आवाज

सुनकर गेस्ट हाउस में ठहरे लोग मौके पर पहुंच गए। उन्होंने आरोपी युवक को दौड़ाकर पकड़ लिया और राम जन्मभूमि थाना पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने आरोपी के मोबाइल की जांच की तो उसमें महिलाओं के नहाते हुए 10 वीडियो मिले। पूरा मामला राजा गेस्ट हाउस का है। गेस्ट हाउस राम मंदिर के गेट नंबर 3 से सिर्फ 50 मीटर की दूरी पर है।30 साल की महिला श्रद्धालु ने बताया- हम 5 लोग वाराणसी से राम मंदिर दर्शन करने के लिए गुरुवार को अयोध्या आए थे। शाम होने के चलते राम मंदिर के पास ही राजा गेस्ट हाउस में 2 कमरे बुक किए। एक कमरे का 500 रुपए चार्ज किया था। मैं सुबह 6 बजे बाथरूम में नहाने गई। बाथरूम के ऊपर टीन शेड था। मैं नहा रही थी, तभी अचानक मेरी नजर ऊपर पड़ी तो परछाई दिखाई दी। फिर मैंने देखा कोई मोबाइल से वीडियो बना रहा था।

शिक्षा से होगा छात्रों का समग्र विकास:गिरीजेश त्रिपाठी

संवाददाता

कुशीनगर। फाजिलनगर विकास खण्ड के भठही दरियाव टोला स्थित एपेक्स पब्लिक स्कूल में आयोजित वार्षिकोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह में छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। भक्ति गीत, देशभक्ति गीतों पर आकर्षक नृत्य प्रस्तुत कर बच्चों ने सभी दर्शकों को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलन कर किया गया। समारोह में बतौर मुख्य अतिथि अशोक विद्यापीठ इंटर कॉलेज नकटहा मिश्र के कार्यवाहक प्रधानाचार्य गिरिजेश त्रिपाठी ने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ खेल-कूद और सांस्कृतिक

गतिविधियों में भागीदारी से छात्रों का समग्र विकास संभव है। अनुशासन में रहकर अगर कोई विद्यार्थी अपने लक्ष्य को निर्धारित कर पूरी दृढ़ता से उस दिशा में कार्य करे, तो उसे सफलता प्राप्त करने से कोई नहीं रोक सकता। विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने भक्ति गीत, राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत गीतों पर सुंदर नृत्य प्रस्तुत किए।जिसे सभी अतिथियों और दर्शकों ने सराहा। इसके उपरांत प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रअभिनव पाण्डेय, आयुष राय और अफ्सा खातून सहित विभिन्न कक्षाओं में श्रेष्ठ अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। संचालन तुफानी प्रसाद ने किया। अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य रामेश्वर सिंह कुशवाहा ने सभी अतिथियों, अभिभावकों व गणमान्य लोगों का आभार जताया। इस अवसर पर समाजसेवी प्रेम सागर मिश्र, वीरेंद्र मिश्रा, मुकेश पाण्डेय, इब्राहिम अंसारी, नसीम अहमद, जितेंद्र गौतम, अनुराग मिश्रा, राजेश चौरसिया, शालू मिश्रा, सब्बा खान, गरिमा मिश्रा, अंकिता, सोनी, सरिता कुशवाहा, रंजना शर्मा, कौशर जहां सहित कई सम्मानित नागरिक उपस्थित रहे।

बुद्धा पीजी में पुरातन छात्र सम्मेलन संपन्न

संवाददाता

कुशीनगर। बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कुशीनगर द्वारा पुरातन छात्र सम्मेलन का आयोजने 'भंते सभागार' में सम्पन्न हुआ।

अतिथि विधायक मोहन वर्मा ने संबोधित करते हुए कहा कि इस महाविद्यालय से मेरा बड़ा ही भावुक एवं आत्मीय लगाव है। मैं हर तरह से महाविद्यालय के सहयोग के लिए सदैव तत्पर हूं। जीएसटी डायरेक्टर जनरल वशिष्ठ चौधरी ने सम्मलेन के आयोजन के लिए महाविद्यालय का आभार प्रकट करते हुए कहा कि इस आयोजन ने मुझे पुरानी स्मृतियों में जाने का अवसर प्रदान किया। देवेंद्र मणि त्रिपाठी ने महाविद्यालय के पुराने गौरवशाली इतिहास के

बारे में बड़े विस्तार से बताया। अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य प्रो. विनोद मोहन मिश्र ने सम्मलेन में उपस्थित पुरातन छात्रों का स्वागत करते हुए कहा कि पुरातन छात्र हमारे महाविद्यालय की वास्तविक पूंजी हैं। परिचय सत्र में विशिष्ट अतिथि के तौर पर मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय गोरखपुर के रसायन शास्त्र विभाग के अवकाश प्राप्त आचार्य आर.पी. मणि त्रिपाठी तथा पूर्व प्रधानाचार्य गोरख राय उपस्थित रहे। इस सत्र की आयोजक प्रो. विभ्राट चंद कौशिक ने स्वागत व्यक्ति व आभार ज्ञापन यज्ञेश नाथ त्रिपाठी तथा संचालन हिंदी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. आशुतोष तिवारी ने किया। गोरख राय ने कहा कि बीपीजी गोरखपुर विश्वविद्यालय से प्राचीन संस्थान है। 1978 मेंपूरे पूर्वांचल में जिन 2 महाविद्यालयों में 5 विषयों में स्नातकोत्तर की मान्यता प्राप्त थी। उनमें से एक बुद्ध पीजी कॉलेज था। इस महाविद्यालय ने हमारी पूरी पीढ़ी को शिक्षित किया है, हम सभी इस संस्थान के प्रति कृतज्ञ हैं। आरपीमणि त्रिपाठी ने कहा कि मैं 1965 में यहां प्रवेश लिया और 1967 में प्रथम श्रेणी में बीएससी उत्तीर्ण किया। उस समय महाविद्यालय में प्रातः 10 बजे प्रार्थना होती थी एवं शिक्षा के साथ खेल के भी बहुत अवसर प्राप्त थे। मुझे इस महाविद्यालय ने दो बहुमूल्य चीजें प्रदान की एक स्नातक की डिग्री दूसरा वॉलीबॉल के खिलाड़ी के रूप में पहचान। मैं अपने जीवन में जो कुछ भी बन पाया वह यहां के गुरुजनों के आशीर्वाद से ही बना हूं। सम्मेलन में बड़ी संख्या में महाविद्यालय के पुरातन छात्रों की उपस्थिति रही। इस दौरान।प्रो. रामभूषण मिश्र, प्रो. इंद्रासन प्रसाद, प्रो. रवि प्रताप पाण्डेय, प्रो. हरिशंकर पांडेय, प्रो. अमृतांशु शुक्ल, प्रो. सीमा त्रिपाठी, प्रो. सत्येंद्र गौतम,डॉ. इंद्रजीत मिश्र, डॉ. राजीव राय, डॉ. अंशु यादव, डॉ. धनंजय ओझा, डॉ. सुभाष चंद, पत्रकार मिथिलेश द्विवेदी, डॉ. निगम मौर्य, डा.दुर्गविजय पाल सिंह,डॉ. विवेक श्रीवास्तव, डॉ. रामनवल, डॉ. ज्ञानेश सिंह, डॉ. कमाल हसन, डॉ. रीना मालवीय, डॉ. पूजा , डॉ. विशेषता मिश्रा, डॉ. सौरभ द्विवेदी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त डायरी

जिलाधिकारी ने 73 फरियादियों की शिकायतों को सुनकर ज्यादातर का बेहतर तरीके से वख्त पर किया डिस्पोजल

संवाददाता

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई कर आम लोगों की शिकायतों को सुन्ने के साथ ही अधिकारियों को उनका बेहतर तरीके से वख्त पर डिस्पोजल करने के निर्देश दिये। इस दौरान करीब 73 शिकायते आईं, जिनमें ज्यादातर का जिलाधिकारी ने फौरन बेहतर तरीके से मौके पर डिस्पोजल कर दिया। बाकी शिकायतों के डिस्पोजल के लिये जिलाधिकारी ने सभी एसडीएम , खंड विकास अधिकारी सहित अधिकारियों के साथ वर्चुअल/ जूम एप के जरिये बैठक कर उनके फौरन डिस्पोजल के लिये निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी एसडीएम ,बीडीओ सहित अधिकारी रुटीन तौर से अपने कार्यालय में जनसुनवाई कर वख्त पर बेहतर डिस्पोजल करें, इसमें किसी तरह की लापरवाही न बरती जाय। जिलाधिकारी ने कहा की जनसुनवाई, आईजीआरएस सहित दूसरे जरिये से आने वाले मामलों का सभी अधिकारी मौके पर जाकर बेहतर तरीके से वख्त पर डिस्पोजल करने के साथ ही मौके के फोटोग्राफ और रिपोर्ट वख्त पर पेश करें।

कानपुर में जलती चिता से निकाली गई डेडबॉडी

कानपुर। चकेरी में एक व्यक्ति की मौत हो गई। इस दौरान उसकी पत्नी और बच्चे मायके में थे। पति के न रहने की खबर मिलते ही पत्नी मायके से वापस लौट आई। पत्नी ने पुलिस को बताया कि मेरे पति का मर्डर किया गया है। उसे जलाया जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस

आनन-फानन में सिद्धनाथ घाट पहुंची। जहां पानी डालकर जलती चिता को बुझाया। इसके बाद डेडबॉडी को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। कानपुर के चकेरी थाना क्षेत्र के सनिगवां में रहने वाले सोहन लाल द्विवेदी (32) बिजली मैकेनिक थे। उनके परिवार में पत्नी नीलम और तीन बेटियां हैं। इसी घर में सोहन का छोटा भाई ज्ञानी उर्फ मोहन भी अपने परिवार के साथ रहता है। पत्नी नीलम ने बताया कि वह मूलरूप से बिहार के गया जिले की रहने वाली है। कुछ दिन पहले वह मायके गई थी। 9 अप्रैल को खबर मिली कि मेरे पति की मौत हो गई है। खबर सुनते ही मेरे होश उड़ गए। ये क्या हो गया। मेरे देवर ने फोन करके मुझे बताया था। मैंने उससे कई बार पूछा क्या हुआ, लेकिन उसने कुछ नहीं बताया। सिर्फ इतना ही बताया कि सोहन जब सुबह बिस्तर से सोकर नहीं उठे, तो भाई ज्ञानी ने देखा। इसके बाद पता चला कि सोहन अब नहीं रहे। देवर का फोन रखते ही मैं अपने तीनों बच्चों और अपने भाई प्रदीप के साथ बिहार से निकली। फिर 10 अप्रैल की रात को घर पहुंची। पत्नी बोली- मेरे पति की मौत हुई है। क्योंकि उनके सिर पर गंभीर चोट के निशान हैं। लाश उठाने के बाद उनके सिर से खून रिस रहा था। मैं सबसे बोल रही थी, कि सिर से खून कैसे गिर रहा है, क्या हुआ है। इनकी तबीयत भी नहीं खराब थी। क्या हुआ है, किसने मारा है। मेरी किसी ने नहीं सुनी। मैं चिल्लाती रह गई। लेकिन किसी ने मेरी न सुनी। दूसरी तरफ परिवार के लोग आनन-फानन में शव को जाजमऊ के सिद्धनाथ घाट लेकर पहुंच गए। जहां शव का अंतिम संस्कार शुरू कर दिया। पत्नी बोली- मैं अपने भाई के साथ पुलिस थाने पहुंची। जहां पुलिस को पूरा सूचना दी। लेकिन जब तक पुलिस सिद्धनाथ घाट पर पहुंचती, तब तक देवर ने चिता को आग लगा दी थी। थोड़ी देर में पहुंची पुलिस ने फिर जलती चिता पर पानी डलवाया। भाई ज्ञानी द्विवेदी ने बताया कि 9 अप्रैल की रात को ये काम से आए। फिर खाना खाकर सो गए। हम लोग भी खाना खाकर सो गए थे। सुबह जब काफी देर तक नहीं उठे, तो हमने हिलाया दुलाया। लेकिन वो उठे नहीं। सांस भी नहीं चल रही थी। इसके बाद हमने सबको बताया। उनकी पत्नी को सूचना दी। अब ये लोग बता रहे हैं कि हत्या की गई है, सिर पर घाव के निशान हैं। तो पुलिस केस कराया है। पुलिस लाश को ले आई है।चचेरे भाई रामचंद्र ने बताया- हत्या होती तो दो दिन क्यों मिट्टी को घर पर रोककर रखते। हत्या अगर होती तो इतने दिन में तो सारी व्यवस्था हो गई होती। ये सब बेफजूल की बातें हो रही हैं। ऐसा कुछ नहीं है। पुलिस हमारे नाम लिखकर ले गई है। अब पोस्टमार्टम करा रही है।

पति के टुकड़े करने वाली मुस्कान डेढ़ महीने की प्रेग्नेंट

मेरठ। सौरभ हत्याकांड की आरोपी मुस्कान 5-7 हफ्ते की प्रेग्नेंट है। शुक्रवार सुबह उसे कड़ी सुरक्षा के बीच लाला लाजपत राय मेडिकल कॉलेज लाया गया। हाई सिक्योरिटी में मुस्कान का अल्ट्रासाउंड कराया गया। वह करीब 2 घंटे जेल से बाहर रही। वरिष्ठ जेल अधीक्षक डॉ. वीरेश राज शर्मा ने बताया- जिला जेल के महिला बैरक की दो कैदियों को

चेकअप और कुछ टेस्ट के लिए मेडिकल कॉलेज भेजा गया था। मुस्कान और संगीता दोनों का अल्ट्रासाउंड कराया गया। जिसमें मुस्कान डेढ़ महीने और संगीता 3 महीने की प्रेग्नेंट मिली हैं।19 मार्च से मुस्कान जिला जेल में बंद है। आज 20 दिन बाद मुस्कान जेल से बाहर निकली। उसने जेल से बाहर का माहौल देखा। 2 अप्रैल को मुस्कान बैरक से बाहर जेल के वीसी रूम तक गई थी। जहां उसकी पेशी हुई थी। इस दौरान वो करीब 20 मिनट बैरक से बाहर थी। इसके बाद आज जेल से बाहर आई। कड़ी सुरक्षा के बीच मेडिकल कॉलेज लाया गया जेल प्रशासन और पुलिस मुस्कान की सिक्योरिटी को लेकर अलर्ट है। इसलिए उसे कड़ी सुरक्षा के बीच बहुत ही खामोशी से चेकअप के लिए लाया है। डर था कहीं वकीलों की तरह आज डॉक्टर या जनता उस पर हमला न कर दे। मेडिकल कॉलेज में करीब 2 घंटे तक उसके तमाम चेकअप हुए। अल्ट्रासाउंड की रिपोर्ट तुरंत मिल गई। जबकि कुछ टेस्ट की रिपोर्ट आनी बाकी है। इस दौरान स्थानीय मेडिकल थाना पुलिस और लोकल पुलिस मौके पर तैनात रही। पूरी सिक्योरिटी के बीच मुस्कान का चेकअप कराया गया। भारतीय कानून के अनुसार, गर्भवती महिलाओं को विशेष परिस्थितियों में जमानत दी जा सकती है। उदाहरण के लिए दिल्ली और बॉम्बे हाई कोर्ट ने ऐसे मामलों में मानवीय आधार पर जमानत दी है। कोर्ट ने ये माना है कि जेल में बच्चे को जन्म देना मां और बच्चे दोनों के लिए अच्छा नहीं रहेगा।

संपादकीय

भारत के लिए आपदा में अवसर!

अमेरिका ने अन्य देशों से अमेरिका में होने वाली आयातित उत्पादों पर भारी भरकम टैरिफ लगाकर विश्व के लगभग समस्त देशों के विरुद्द एक तरह से व्यापार युद्ध छेड़ दिया है। इससे यह आभास हो रहा है आगे आने वाले समय में विभिन्न देशों के बीच सापेक्ष युद्ध न होकर व्यापार युद्ध होने लगेगा। चीन से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर तो अमेरिका ने 145 प्रतिशत का टैरिफ लगा दिया है। एक तरह से अमेरिका की ओर से चीन को यह खुली चुनौती है कि अब अपने उत्पादों को अमेरिका में निर्यात कर के बताए। 145 प्रतिशत के आयात कर पर कौन सा देश अमेरिका को अपने उत्पादों का निर्यात कर पाएगा, यह लगभग असम्भव है। इससे चीन की अर्थव्यस्था छिन्न भिन्न हो सकती है, यदि चीन, अमेरिका के स्थान पर विश्व के अन्य देशों को अपने उत्पादों का निर्यात नहीं बढ़ा पाया। बगैर प्रत्यक्ष युद्ध किए, अमेरिका ने चीन पर एक तरह से विजय ही प्राप्त कर ली है और चीन की अर्थव्यवस्था को भारी नुक्सान करने के रास्ते खोल दिए हैं, हालांकि अमेरिकी अर्थव्यवस्था भी विपरीत रूप से प्रभावित हुए बिना नहीं रहेगी। परंतु, ट्रम्प प्रशासन ने विश्व के 75 देशों पर लागू किए गए टैरिफ को 90 दिनों के लिए स्थगित कर दिया है। इससे अमेरिका की अर्थव्यवस्था पर अन्यथा होने वाले विपरीत प्रभाव को बहुत बड़ी हद्द तक कम कर लिए गया है। अमेरिका संभवत चाहता है कि आर्थिक मोर्चे पर चीन पर इतना दबाव बढ़ाया जाए कि चीन की जनता चीन के वर्तमान सत्ताधरियों के विरुद्ध उठ खड़ी हो और चीन एक तरह से टूट जाए। अमेरिका ने लगभग इसी प्रकार का दबाव बनाकर सोवियत रूस को भी तोड़ दिया था।

नरवीर यादव
कार्यकारी संपादक

कुल मिलाकर पूरे विश्व में विभिन्न देशों के बीच अब नए समीकरण बनते हुए दिखाई दे रहे हैं। यूरोपीयन यूनियन के समस्त सदस्य देश आपस में मिलकर अब अपनी सुरक्षा स्वयं करना चाहते हैं। अभी तक ये देश अमेरिका के सखा देश होने के चलते अपनी सुरक्षा के लिए अमेरिका पर निर्भर रहते थे। परंतु, वैश्विक स्तर पर बदली हुई परिस्थितियों के बीच इन देशों का अमेरिका पर विश्वास कम हुआ है एवं यह देश आपस में मिलकर अपनी स्वयं की सुरक्षा व्यवस्था खड़ी करना चाहते हैं। आगे आने वाले समय में यूरोपीयन यूनियन के समस्त देश अपने सुरक्षा बजट में भारी भरकम वृद्धि कर सकते हैं। यहां, भारत के लिए अवसर निर्मित हो सकते हैं क्योंकि भारत में हाल ही के समय में सुरक्षा के क्षेत्र में उत्पादों की नई एवं भारी मात्रा में उत्पादन क्षमता निर्मित हुई है। भारत आज सुरक्षा के क्षेत्र में तेजी से न केवल आत्म निर्भर हो रहा है बल्कि भारी मात्रा में उत्पादों का निर्यात भी करने लगा है। आज सिंगापुर जैसे विकसित देश भी भारत से सुरक्षा उत्पाद खरीदने हेतु करार करने की ओर आगे बढ़ रहे हैं। यदि यूरोपीयन देशों के साथ भारत की पटरी ठीक बैठ जाती है तो सुरक्षा के क्षेत्र में भारत के लिए अपार सम्भावनाएं मौजूद है। भारत, यूरोपीयन देशों के साथ सामूहिक तौर पर द्विपक्षीय व्यापार समझौता करने के प्रयास भी कर रहा है। इसी प्रकार, आगे आने वाले समय में यदि चीन के निर्यात अमेरिका को कम होते हैं तो चीन से विनिर्माण इकाईयों का पलायन तेजी से प्रारम्भ होगा। संभवत इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र, टेक्सटायल क्षेत्र, फार्मा क्षेत्र, सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र, प्रेशस मेटल के क्षेत्र में भारत के लिए अपार सम्भावनाएं बनती हुई दिखाई दे रही है, क्योंकि, उक्त समस्त क्षेत्रों से चीन, अमेरिका को भारी मात्रा में निर्यात करता है। अब 145 प्रतिशत के टैरिफ की दर पर चीन में निर्मित उत्पाद अमेरिका में नहीं बिक पाएंगे। अत: भारत के लिए इन समस्त क्षेत्रों में अपार सम्भावनाएं बनती हुई दिखाई दे रही हैं। टेक्स्टायल के क्षेत्र में तो वर्तमान में भारत के पास बहुत भारी मात्रा में उत्पादन क्षमता भी उपलब्ध है। टेक्स्टायल के क्षेत्र में भारत के पड़ौसी देश ही अधिक प्रतिस्पर्धी बने हुए हैं, जैसे बंगलादेश, पाकिस्तान, चीन, वियतनाम आदि। इस समस्त देशों पर अमेरिका द्वारा लगाई गई टैरिफ की दर, भारत की तुलना में कहीं अधिक है। अत: टेक्स्टायल के क्षेत्र में भारत में निर्मित विभिन्न उत्पाद तुलनात्मक रूप से अधिक प्रतिस्पर्धी बन गए हैं। इसका सीधा सीधा लाभ भारतीय टेक्स्टायल उद्योग द्वारा उठाया जा सकता है।

अपराधिक व असामाजिक तत्वों पर कसी जाएगी नकेल

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। कनीना सदर थाना इंचार्ज निरीक्षक मुकेश कुमार का स्थानांतरण होने पर शुक्रवार को विदाई समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें पुलिस कर्मचारियों के अलावा क्षेत्र के समाज सेवी व मीडियाकर्मी शामिल थे। मुकेश कुमार ने कनीना में करीब नौ माह अपनी सेवाएं दी है। इस दौरान उन्होंने हत्या एवं आत्म हत्या के संगीन मामलों का पटाक्षेप किया वहीं थाने में आने वाले फरियादियों की समस्याएं सुन निष्पक्षता से निपटान किया। उनकी बदली के बाद महेंद्रगढ से बदली होकर आए थाना अध्यक्ष निरीक्षक सतेंद्र सिंह ने अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया। कार्यभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने कहा कि पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ के दिशा निर्देशन में क्षेत्र में कानून व शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सख्ती से कार्य किया जाएगा। असामाजिक तथा अपराधिक तत्वों पर नकेल कसी जाएगी। नशाखोरी व अनैतिक कार्य करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

सरसों व गेहूं का उठान कार्य न होने तथा मौसम खराबी को लेकर व्यापारियों ने जताई चिंता

उठान कर रहे ठेकेदार पर वाहन उपलब्ध कराने के नाम पर लगाया पैसे मांगने का आरोप

एसडीएम ने मंडी का निरीक्षण कर ठेकेदार व खरीद एजेंसी को दिए जरूरी निर्देश

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। कनीना की नयी मंडी चेलावास में सरसों खरीद एवं उठान कार्य को लेकर व्यापारियों ने असंतोष जताया है। स्टेट वेयर हाउस की प्रबंधक सीमा सिंह ने बताया कि अब सरसों की 121953 क्विंटल की खरीद हो चुकी है जिसमें से 56 हजार क्विंटल का उठान किया जा चुका है। ईधर व्यपारियों ने उठान कर रहे ठेकेदार पर वाहनों की संख्या न बढाने से हो रही परेशानी को लेकर सवाल उाए हैं। व्यापारियों ने उठान करवाने पर ठेकेदार के वाहन चालकों द्वारा 2-3 रूपये प्रति बैग के हिसाब से वसूली करने का आरोप लगाया है। मंडी में पडी सरसों के उठान को लेकर जो व्यापारी ठेकेदार को पैसे दे देता है तो उसके प्लेटफार्म जल्दी खाली करा दिए जाते हैं जबकि पैसे न देने वाले व्यापारी के प्लेटफार्म पर सरसों के बैग लगे रहते हैं। डिमांड करने के बावजूद भी उन्हें वाहन उपलब्ध नहीं कराया जाता है। इसके अलावा व्यापारियों ने ठेकेदार पर ऑनलाईन कराई गई गाडियों की बजाय अन्य वाहनों के गेटपास जारी किए जाते हैं। व्यापारियों ने ऐसी ही स्थिति पुरानी मंडी में की जा रही गेहूं की खरीद को लेकर बयां की है। खरीद कार्यों में धांधली बरते जाने पर उन्होंने सरसों की खरीद एजेंसी स्टेट वेयर हाउस, गेहूं की खरीद एजेंसी फूड सप्लाई, मार्केट कमेटी व एसडीएम से की है। जिन्होंने पूरे प्रकरण की जांच करवाने की बात कही है। व्यापारी श्रीभगवान, रविंद्र बंसल व नितिन अन्य ने बताया कि मौसम विभाग की ओर से आंधी-बारिश व औलावृष्टि की संभावना जताई गई है। दूसरी ओर उनके द्वारा खरीदी गई सरसों एवं गेहूं का उठान न होने से उसके बारिश में भीगने की चिंता सता रही है। उठान कर रहे ठेकेदार से डिमांड करने के बाद भी उन्हें वाहन मुहैया नहीं करवा जा रहा है। इस बारे में उठान कार्य कर रहे ठेकेदार बाबूलाल ने बताया कि व्यापारियों द्वारा लगाए गए आरोप बेबुनियाद हैं। गेटपास कटवाते समय चालक ने गलती से अन्य वाहन के नम्बर बता दिए होगें। फिर भी उनकी ओर से तसल्ली की जाएगी। उनकी ओर से उठान कार्य के लिए वाहनों की बढायी जाएगी।

इस बारे में स्टेट वेयरहाउस की प्रबंधक सीमा सिंह ने बताया कि व्यपारियों द्वारा ठेकेदार पर वाहन उपलब्ध न करवाने का आरोप लगाया है वह आज ही उनके संज्ञान में आया है। हालांकि प्लेटफार्म खाली न होने तथा उठान कार्य के चलते शुकवार को सरसों की खरीद नहीं की जा सकी। शुक्रवार को ठेकेदार द्वारा 2500 बैग का उठान किया गया है। उन्होंने कहा कि ठेकेदार ने तीन दिन के अंतराल में खरीदी गई सरसों का उठान कने का आश्वासन दिया है।

इस बारे में गेहूं की खरीद रही एजेंसी फूड सप्लाई के जिला खाद्य एवं पूर्ति नियंत्रक कुशलपाल बूरा ने बताया कि ठेकेदार द्वारा ऐसा किया जा रहा है तो वह गलत है। गाडियों के गेटपास को लेकर अनियमितता बरती गई है तो उसकी जांच कराई जाएगी। इसके अलावा ठेकेदार को वाहनों की संख्या बढाने को कहा गया है। वाहनों की संख्या बढने के बाद उठान कार्य में तेजी आएगी किसानों को परेशान नहीं होने दिया जाएगा।

एसडीएम डॉ जितेंद्र सिंह अहलावत ने बताया कि मंडी का निरीक्षण कर ठेकेदार को उठान कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए गए हैं। मोसम खराबी को देखते हुए गाडियों की संख्या बढाने को कहा गया है। ठेकेदार से उठान कर रही गाडियों की लिस्ट मांगी गई है।

डीएमसी के आदेश पर नगरपालिका ने कनीना में चलाया अतिक्रमण हटाओ अभियान

दूसरी बार अभियान चलने से बाजार में मची अफरा-तफरी

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। कनीना नगरपालिका प्रशासन ने डीएमसी के आदेशानुसार शुक्रवार को दूसरी बार बाजार में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। इससे पूर्व बुधवार को अतिक्रमण हटावाते हुए दुकानदारों को दुकान से बाहर सामान न लगाने की हिदायत दी गई थी। अतिक्रमण हटाओ अभियान को लेकर मंडी रोड, नपा कार्यालय के नजदीक सहित अन्य स्थानों पर दुकानदारों में हडकंप मच गया। नपा की नव निर्वाचित चेयरपर्सन व मेम्बरों द्वारा इस बारे में काफी चिंतन-मनन किया गया था। जिसकी जानकारी डीएमसी को भी दी गई थी। जिन्होंने आमजन की सुविधा के लिए अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए थे। अतिक्रमण हटाओ दस्ते में शामिल कर्मियों सचिव कपिल कुमार, जेई राकेश कुमार, सफाई इंचार्ज सुरेंद्र वशिष्ठ, राकेश कुमार सहित सफाई कर्मचारियों ने दुकानों के बाहर रखे सामान को उठाकर नपा के वाहनों में डालना शुरू किया तो स्थिति विवादास्पद हो गई। अंतत: अतिक्रमणयुक्त सामान को जब्त कर लिया गया। दस्ते ने दुकानदारों को सडक के दोनों ओर बनाए गए नाले से बाहर सामान न रखने की हिदायत दी है। नपा सचिव कपिल कुमार ने कहा कि दुकानदारों द्वारा दुकान से बाहर सामान रखने से सडक मार्ग संकरा हो जाता है जिससे सडक जाम होने तथा हादसों की संभावना बनी रहती है। दुकानदारों, रेहडी-फडी व वाहन चालकों को बाजार में अतिक्रमण न करने की चेतावनी दी गई है।

शिकायतें मिलने पर चलाया अभियान : चेयरपर्सन

नपा की नव नियुक्त चेयरपर्सन डॉ रिंपी कुमारी लोढा ने कहा कि अतिक्रमण से होने वाली परेशानी को लेकर उनके पास बार-बार शिकायतें आ रही थी। इस बारे में डीएमसी नारनौल द्वारा अधिकारियों से बैठक भी की थी। जिसमें शहर की सुंदरता को बनाए रखने के लिए अतिक्रमण के विरूध अभियान चलाने के निर्देश दिए गए थे। जिसके चलते उन्होंने मुनियादी करवाकर नागरिकों को अतिक्रमण न करने को कहा गया था। लेकिन सुधार न होने पर अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। उन्होंने कहा कि आमजन की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ये अभियान जारी रहेगा।

हनुमान जयंति पर आज बिजली घर प्रांगण में आयोजित होगा विशाल भंडारा

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। कनीना स्थित दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के 132 केवी पावर ग्रिड सबस्टेशन में आज 12 अप्रैल को हनुमान जयंती के उपलक्ष्य में विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। भंडारे से पूर्व हवन किया जाएगा। जिसमें गणमान्यजनों की ओर से विश्वशांति के लिए आहुति डाली जाएगी। तदुपंरात भंडारा प्रांरभ किया जाएगा। जिसमें श्रधालुओं को प्रसाद वितरित किया जाएगा। बता दें कि पिछले 14 वर्ष से आयोजित किए जा रहे इस भंडारे में बिजली निगम कार्यालय के कर्मचारी अपने वेतन का कुछ हिस्सा प्रदान करते हैं। आमजन की ओर से भंडारे के समय सहयोग किया जाता है। शुरूआत में एक क्विंटल शूगर से प्रसाद तैयार किया गया था। उसके बाद प्रतिवर्ष एक-एक क्विंटल की बढौतरी की जाती रही। बिजली निगम के जीएसओ सजन सिंह व जेई रामरतन शर्मा ने संयुक्त रूप से बताया कि हनुमान जयंति के उपलक्ष में 14वें विशाल भंडारे का आयोजन होगा। जिसमें 14 क्विंटल शूगर के लड्डू, 14 क्विंटल आटे की पूडी व 14 क्विंटल सबजि तैयार की जाएगी। प्रसाद बनाने का कार्य चार दिन पूर्व शुरू कर दिया गया था। इसके अलावा हनुमान मंदिर कोटिया, चेलावास में भी समारोह आयोजित किए जाएगें।

खाद बीज विधेयक के विरोध में कनीना में 4 दिन से बंद बीज विक्रेता की दुकानें खुली

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। बीज संसोधन विधेयक को लेकर कनीना में पिछले 4 दिन से बंद बीज-खाद विक्रेताओं की दुकाने शुक्रवार दोपहर बाद खुल गई। इस बारे में एग्रो इंपुट डिलर्स एसोसिएशन हरियाणा की ओर से ऑनलाईन बैठक आयोजित की गई जिसमें प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बडोली के आश्वासन के बाद सात दिवसीय प्रस्तावित हडताल आगामी आदेशों तक समाप्त करने की घोषणा की है। खाद बीज एसोसिएशन के प्रधान कुलदीप यादव व आलोक गोयल ने बताया कि 14 अप्रैल की बैठक के बाद आगामी निर्णय लिया जाएगा। भूनेष कुमार, आलोक कुमार, वीरेन,कपिल, विपिन व चंचल ने बताया कि सरकार ने खाद-बीज विक्रेताओं ने पेसटिसाइड खाद को धारा 19 ए से जोडने का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि बीज का जर्मीनेशन न होने के अन्य कारण हो सकते हैं। बीज विक्रेताओं ने सोमवार को दुकानें बंद रखकर विधेयक को वापिस लेने की मांग की थी।

नन्हे मुन्ने बच्चों ने सामाजिक सांस्कृतिक धार्मिक मार्मिक व रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत कर जनता का मनमोह लिया

प्राणी मात्र के कल्याण के निमित्त की गई सामूहिक आरती

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। श्री चंद्र प्रभु दिगंबर जैन मंदिर नगीना तीर्थंकर महावीर स्वामी का 2624 वा जन्म कल्याणक धूमधाम से मनाया गया। नन्हे मुन्ने बच्चों ने सामाजिक सांस्कृतिक धार्मिक मार्मिक व रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत कर जनता का मन मोह लिया। उक्त जानकारी जैन समाज नगीना के उपाध्याय अनिल जैन व सर्वजातीय सेवा समिति के उपाध्याय रजत जैन ने देते हुए बताया की संध्याकालीन सभा में प्राणी मात्र के कल्याण के निमित्त तीर्थंकर महावीर स्वामी की विशेष सामूहिक आरती की गई ।रात्रि कालीन सभा में महिला मंडल की ओर से नन्हे मुन्ने बच्चों के द्वारा चंदनबाला, स्वार्थी दुनिया ,अहिंसा परमो धर्म, रात्रि भोजन करने से हानि, नेमी राजूल नाटक आदि नाटकों का धार्मिक व मार्मिक जीवंत मंचन कर जनता को भाव विभोर कर दिया। नाटकों का कुशल निर्देशन याशिका व सिद्धि जैन के द्वारा किया गया। प्रतिभागियों को पारितोषिक वितरण जैन समाज नगीना के उपाध्यक्ष अनिल जैन, व जैन समाज की कमेटी के साथ सर्वजातीय सेवा समिति के उपाध्यक्ष रजत जैन व जजपा के प्रदेश प्रवक्ता राहुल जैन के द्वारा बच्चों को पारितोषिक देकर उनके मनोबल में वृद्धि कर उनको सम्मानित किया।

समाज में उत्कृष्ट सामाजिक कार्यों के लिए अमित जैन मेडिकल स्टोर वाले को समाज की ओर से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर महावीर प्रसाद जैन, सुनील जैन, मुकेश जैन,किशन जैन, रामनाथ जैन ,जीतू जैन, चिराग जैन, जैन समाज नगीना महिला मंडल की अध्यक्ष सविता जैन ,समाजसेविका राधिका जैन,भावना जैन,रजनी जैन, राधा गोयल,सुमन जैन, पिंकी जैन, चिराग जैन ऋषभ जैन, बंटी जैन,महेर जैन, आदि उपस्थित रहे।

ध्यानार्थ:

हिन्दी दैनिक समाचार गेट एंव city24news.in द्वारा कवरेज की गई आपकी खबरों को आप यहां नीचे दिए गए लिंक पर क्लिक करके भी देख सकते हैं।

अगर आप हिन्दी दैनिक समाचार गेट की प्रिंट कॉपी लेना चाहते हैं तो आप फरीदाबाद ओल्ड रेड लाइट पर न्यूज पेपर स्टॉल से एंव गोपाल न्यूज पेपर एजेंसी अंबेडकर चौक बल्लभगढ से प्राप्त कर सकते हैं।

न्यूज पोर्टल पर देखने के लिए इस लिंक पर क्लिक करें
https://city24news.in/

फेसबुक पर देखने के लिए इस लिंक पर क्लिक करें
https://www.facebook.com/city24news.in

ई-पेपर देखने के लिए इस लिंक पर देखें
https://city24news.in/e-paper

आप अपनी खबर अथवा सूचना भेजने के लिए
samachargate@gmail.com
या 9818180269 पर भी भेज सकते हैं।

मच्छर जनित बीमारियों पर नियंत्रण के लिए जागरुकता के साथ सतर्कता भी जरूरी : उपायुक्त

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। जिला में डेंगू व मलेरिया सहित मच्छर जनित बीमारियों की रोकथाम के मद्देनजर उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने जिलवासियों से सावधानी बरतने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि गर्मी विशेषकर बरसात के दिनों में डेंगू व मलेरिया जैसी बीमारियां फैलने का अंदेशा अधिक रहता है। इसलिए मच्छरों से फैलने वाली इन बीमारियों से बचाव संबंधित कार्य प्राथमिकता के आधार पर करें। उन्होंने बताया कि गर्मी और बरसात के मौसम में मच्छरों से फैलने वाली बीमारियों का प्रकोप बढ़ जाता है। ऐसे में सावधानी और सतर्कता से व्यक्ति इन बीमारियों से बच सकता है। उपायुक्त ने बताया कि जिला नागरिक अस्पताल में डेंगू व मलेरिया की निशुल्क जांच सुविधा उपलब्ध है जिसका आमजन का लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने बताया कि कोई भी बुखार का मरीज नागरिक अस्पताल में पहुंचकर डेंगू व मलेरिया की जांच करा सकता है। उन्होंने बताया कि डेंगू बीमारी को लेकर आम जन की सुविधा के लिए हेल्पलाइन नंबर 7988835108 जारी किया हुआ है। बुखार होने पर निकट के स्वास्थ्य केंद्र पर रक्त की जांच एवं उपचार कराएं। स्वयं किसी भी दवा का सेवन न करें। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए कि वे जिला में डेंगू व मलेरिया से बचाव व जांच के लिए लोगों को जागरूक करें।

डेंगू व मलेरिया से बचाव के लिए सजग व सतर्क रहने की जरूरत : उपायुक्त

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने बताया कि आमजन को गर्मी के मौसम में मलेरिया, डेंगू आदि बीमारियों से बचाव के लिए सजग व सतर्क रहना होगा। जहां भी बरसात का पानी जमा हो जाता है, वहां पर मलेरिया व डेंगू फैलाने वाले मच्छर अंडे देना शुरू कर देते हैं, जिससे मच्छरों की ज्यादा बढ़ोतरी हो जाती है और बीमारी फैलने की संभावना भी बढ़ जाती है। इसलिए आमजन अपने घरों व दफ्तरों के आसपास पानी एकत्रित न होने दें, यदि पानी की निकासी की सुविधा न हो तो उसमें काला तेल या मिट्टी का तेल डाल दें। उन्होंने आमजन से सप्ताह में प्रत्येक रविवार को ड्राई डे मनाने की अपील करते हुए कहा कि आमजन ड्राई डे के दिन अपने घरों में रखे कूलर, फ्रिज, पानी की टंकियों आदि की अच्छी तरह से सफाई करें।

डेंगू के लक्षण और बचाव :

डेंगू बीमारी की शुरुआत तेज बुखार और सिरदर्द व पीठ में दर्द से होती है। शुरू के दिनों में शरीर के जोड़ों में दर्द होता है, आंखे लाल हो जाती है। डेंगू बुखार दो से चार दिनों तक होता है उसके बाद शरीर का तापमान धीरे-धीरे अपने आप नॉर्मल होने लगता है। बुखार के साथ ही साथ शरीर में खून की कमी होने लगती है। डेंगू से बचने के लिए मच्छरों के प्रकोप से बचना चाहिए। अपने घरों के आसपास पानी को इकठ्ठा न होने दे।

मलेरिया के लक्षण और बचाव :

मलेरिया में तेज बुखार से ठंड लगना, उल्टी दस्त, तेज पसीना आना तथा शरीर का तापमान 100 डिग्री सेंटीग्रेड से ऊपर बढ़ जाना, सिर दर्द, शरीर में जलन तथा मलेरिया में बुखार आने पर शरीर में कमजोरी होना। मलेरिया से बचाव के लिए घर के आसपास पानी को एकत्रित न होने दे। सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग करे। नीम के पत्ती का धुआं करे। अपने घर के नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र पर रक्त की जांच अवश्य करवाने का कार्य करे। बुखार होने पर तुरंत इसकी जांच कराएं, अगर जांच में मलेरिया पाया जाता है तो पूरे 14 दिन तक गोली खाएं।

'राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
समाचार गेट
को TITLE CODE : HARHIN11569
आवश्यकता है
◆ हरियाणा के प्रत्येक जिले में ब्यूरो चीफ
◆ उपमंडल व ब्लॉक स्तर पर संवाददाता
◆ ग्रामीण संवाददाता ◆ फोटोग्राफर
◆ विज्ञापन प्रतिनिधि
इच्छुक युवक-युवती अपना बायोडेटा मेल करें-
samachargate@gmail.com
Cont.: 9212339503

संक्षिप्त समाचार

माइक हकाबी की नए राजदूत के रूप में पुष्टि होने पर इस्राइली पीएम ने दी बधाई

येरूशलम, एजेंसी। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मेरे प्रिय मित्र माइक हकाबी की इस्राइल में अगले अमेरिकी राजदूत के रूप में पुष्टि होने पर बधाई। यह इस्राइल-अमेरिका गठबंधन के लिए एक महान दिन है। एक अन्य पोस्ट में उन्होंने कहा, मैं हमारे दोनों देशों के बीच अटूट बंधन को और भी मजबूत बनाने के लिए आपके साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं। सीनेट ने 53-46 वोटिंग से अरकंसास के पूर्व गवर्नर माइक हुकाबी को ट्रंप के इस्राइल में राजदूत के रूप में पुष्टि की। उनके नाम पर ये सहमति तब बनी है जबकि हाल ही में इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने व्हाइट हाउस की यात्रा की थी। माइक हुकाबी को इस्राइल के कट्टर समर्थक के रूप में जाना जाता है। उनकी नियुक्ति ट्रंप के गाजा में इज़राइल-हमास युद्ध, लेबनान में हिज्बुल्लाह के साथ संघर्ष और ईरान द्वारा इज़राइल को दी जाने वाली धमकियों को समाप्त करने के अब तक के असफल प्रयासों के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

पोप फ्रांसिस ने किंग चार्ल्स ||| और क्वीन कैमिला से की मुलाकात

वेटिकन, एजेंसी। पोप फ्रांसिस ने बुधवार को वेटिकन में किंग चार्ल्स ||| और क्वीन कैमिला से निजी मुलाकात की, जो अपनी चार दिवसीय यात्रा के तहत इटली पहुंचे थे। पोप की अस्पताल से छुट्टी के बाद यह पहली बार मुलाकात हुई है। इस दौरान पोप ने किंग और क्वीन को उनकी 20वीं शादी की सालगिरह की शुभकामनाएं दी और किंग और क्वीन ने पोप की जल्द स्वास्थ्य लाभ की कामना की। इस दौरान कुछ निजी उपहारों का आदान-प्रदान भी हुआ और भविष्य में किंग के वेटिकन दौरे को लेकर भी चर्चा हुई।

पनामा अपनी धरती पर अमेरिकी सैन्य अड्डे को बर्दाश्त नहीं करेगा

पनामा, एजेंसी। पनामा के सुरक्षा मंत्री ने साफ कर दिया है कि उनका देश पनामा में अमेरिका के सैन्य अड्डे को बनाने के किसी भी प्रस्ताव को खारिज कर देगा। गौरतलब है कि अमेरिका के रक्षा मंत्री ने बुधवार को पनामा में अमेरिकी सैन्य अड्डा बनाने का सुझाव दिया था। इस पर पनामा के सुरक्षा मंत्री फ्रैंक एब्रेगो ने अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ के साथ मीडिया से बात करते हुए कहा है कि पनामा साफ कर चुका है कि हम अमेरिकी सैन्य अड्डे को अपनी धरती पर स्वीकार नहीं करेंगे।

पाकिस्तान में मजहबी शोधार्थी की गोली मारकर हत्या

क्वेटा, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में अज्ञात हमलावरों ने एक मजहबी शोधार्थी कारी ऐजाज आबिद की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि कारी ऐजाज आबिद अहले-ए-सुन्नत वल जमात और इंटरनेशनल ख़त्म-ए-नबुव्वत मूवमेंट के प्रमुख थे। उन्हें सोमवार को खैबर जिले से सटे पश्त खारा इलाके में निशाना बनाया गया था। गंभीर रूप से घायल आबिद की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। अधिकारी ने बताया कि हमले में उनका साथी कारी शाहिदुल्लाह भी घायल हुआ है और उसका इलाज चल रहा है। पुलिस के अनुसार, यह लक्षित हत्या का मामला प्रतीत होता है। मौके से 30 बोर की गोली के कई खोखे बरामद हुए हैं। अधिकारी ने बताया कि घटना के संबंध में आतंकवाद की धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने इलाके में तलाशी अभियान शुरू कर दिया है और आरोपियों की तलाश जारी है।

इजराइली सुप्रीम कोर्ट ने पीएम नेतन्याहू का फैसला रोका, खुफिया विभाग चीफ की बर्खास्तगी पर रोक लगाई

येरूशलम, एजेंसी। इजराइली सुप्रीम कोर्ट से प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने आंतरिक खुफिया विभाग शिन बेट के प्रमुख रोनेन बार को बर्खास्त करने के कदम पर अंतरिम रोक लगा दी है। कोर्ट ने आपसी समझौते को लेकर 20 अप्रैल तक की समय सीमा दी है। 11 घंटे तक चली बहस के बाद सुप्रीम कोर्ट की पैनल ने कहा कि रोनेन फिलहाल अपने पद पर बने रहेंगे। विपक्षी दलों ने नेतन्याहू सरकार के शिन बेट के प्रमुख रोनेन बार को हटाने के फैसले को चुनौती दी थी। नेतन्याहू ने आंतरिक खुफिया विभाग के प्रमुख को 'विश्वास की कमी' का हवाला देकर हटाने का फैसला किया था। फिलहाल पद पर बने रहेंगे रोनेन सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि शिन बेट के प्रमुख को बर्खास्त करने से लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्वतंत्रता कमजोर होती है। कोर्ट ने कहा कि कोर्ट के अंतिम फैसले तक किसी कार्यवाहक प्रमुख की नियुक्ति और नए खुफिया प्रमुख का ऐलान सरकार न करे। नेतन्याहू और रोनेन के बीच तनाव अक्टूबर 2023 में इजराइल पर हुए हमास के आतंकियों के हमले और 'कतर गेट' के बाद से बढ़ता जा रहा है।

फिलिस्तीन को अलग देश की मान्यता देगा फ्रांस, मैक्रों बोले- किसी को खुश करने के लिए ऐसा नहीं कर रहा

पेरिस, एजेंसी। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि फ्रांस कुछ समय में फिलिस्तीन को अगल देश के तौर पर मान्यता दे सकता है। फ्रेंच प्रेसिडेंट ने बुधवार को एक इंटरव्यू में बताया कि उनका मकसद इजराइल-फिलिस्तीन संघर्ष को अंतिम रूप देना है। मैक्रों ने कहा कि हम मान्यता की दिशा में बढ़ना चाहते हैं, और हम ऐसा आने वाले महीनों में करेंगे। मैं ऐसा किसी को खुश करने के लिए नहीं कर रहा हूं। मैं इसे इसलिए करूंगा क्योंकि किसी समय यह सही होगा। मैक्रों ने कहा कि मिडिल ईस्ट के देश भी इजराइल को मान्यता देंगे। हम उन लोगों के खिलाफ लड़ाई में हैं जो इजराइल के अस्तित्व को नकारते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फ्रांस जून 2025 तक फिलिस्तीन को एक अलग देश के तौर पर मान्यता दे सकता है। इससे पहले फरवरी 2024 में मैक्रों ने कहा था कि फिलिस्तीन को मान्यता देना फ्रांस के लिए टैबू (वर्जित) नहीं है। मैक्रों पहले भी टू स्टेट सॉल्यूशन थ्योरी के पक्ष में रह चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र के 193 में से 146 देशों ने फिलिस्तीन को अलग देश के तौर पर मान्यता दे रखी है। पिछले साल आर्मेनिया, स्लोवेनिया, आयरलैंड, नॉर्वे, स्पेन, बहामास, त्रिनिदाद एंड टोबैगो, जमैका और बारबाडोस ने फिलिस्तीन को मान्यता दी थी। अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन और जर्मनी जैसे कई अहम देशों ने

फिलिस्तीन को मान्यता नहीं दी है। इजराइल को मान्यता नहीं देने वाले देशों में सऊदी अरब, ईरान, इराक, सीरिया और यमन शामिल हैं।

टू-स्टेट सॉल्यूशन का समर्थक रहा है फ्रांस : फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रों ने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि हम सऊदी अरब के साथ संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन की अध्यक्षता करें, जहां हम कई पक्ष इसे मान्यता दें। उन्होंने कहा कि मैं ये इसलिए करूंगा क्योंकि हमें लगता है कि ये करना सही होगा। फ्रांस द्वारा फलस्तीन को मान्यता देने से इस्राइल के अस्तित्व को भी नकारा नहीं जा सकेगा। फ्रांस लंबे समय से इस्राइल-फलस्तीन विवाद में टू-स्टेट सॉल्यूशन (द्वि-राज्य समाधान) का समर्थक रहा है। हालांकि फ्रांस द्वारा अगर फलस्तीन को मान्यता दे दी जाती है तो यह बड़ा नीतिगत बदलाव होगा और इससे इस्राइल के नाराज होने का भी खतरा है।

फ्रांस के फलस्तीन को मान्यता देने से हो सकते हैं बड़े बदलाव : उल्लेखनीय है कि करीब 150 देश फलस्तीन को मान्यता दे चुके हैं, जिनमें आयरलैंड, नॉर्वे, स्पेन आदि भी शामिल हैं। इस्राइल द्वारा 7 अक्तूबर 2023 के हमले के बाद जिस तरह से गाजा में बम बरसाए जा रहे हैं और हजारों लोग मारे गए हैं, उसके बाद बीते साल जून में स्लोवेनिया ने भी फलस्तीन को मान्यता दे दी। हालांकि फ्रांस अगर फलस्तीन को मान्यता देता है तो इसका प्रभाव बहुत बड़ा होगा क्योंकि यूरोपीय संघ में फ्रांस एक अहम देश है। मिस्त्र दौरे पर मैक्रों ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस प्रस्ताव की भी आलोचना की, जिसमें ट्रंप ने गाजा को मध्य पूर्व का रिवेरा बनाने का वादा किया था। मैक्रों ने तंज कसते हुए कहा कि गाजा पट्टी कोई रियल एस्टेट प्रोजेक्ट नहीं है।

चंद्रमा के दूरदराज के हिस्से की मिट्टी में पृथ्वी वाले हिस्से की तुलना में शुष्कता के संकेत : लन्दन, एजेंसी। 'नेचर पत्रिका' में प्रकाशित अध्ययन में कहा गया है कि कम नमूने होने के कारण अभी यह स्पष्ट नहीं है कि यह शुष्क स्थिति कितनी व्यापक है। इसमें कहा गया है कि अभी और नमूनों पर अध्ययन किए जाने की जरूरत है। चीन के वैज्ञानिकों ने बुधवार को बताया कि चंद्रमा के सुदूर भाग से प्राप्त मिट्टी और चट्टानों से संकेत मिलते हैं कि वह हिस्सा पृथ्वी की ओर वाले हिस्से की तुलना में अधिक शुष्क हो सकता है। वैज्ञानिकों ने हालांकि कहा कि स्पष्ट तस्वीर के लिए और अधिक नमूनों की आवश्यकता है। शोधकर्ताओं ने कहा कि चंद्र आवरण में पानी की प्रचुरता यह समझाने में मदद कर सकती है कि चंद्रमा कैसे विकसित हुआ। पिछले साल चीन चंद्रमा के सुदूर हिस्से पर उतरने वाला पहला देश बन गया था। अंतरिक्ष यान 'चांग ई 6' ने दक्षिण ध्रुव-'ऐटकेन बेसिन' से ज्वालामुखीय चट्टान और मिट्टी को निकाला था। 'चीनी विज्ञान अकादमी' के सेन हू ने बताया कि उन्होंने और उनकी टीम ने पांच ग्राम मिट्टी के नमूने लिए और फिर विस्तृत विश्लेषण के लिए इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप की मदद से 578 कणों का चयन किया। उन्होंने बताया कि चंद्रमा के निकटवर्ती भाग से पिछले दशकों में एकत्र किए गए नमूनों की तुलना में इनमें पानी की प्रचुरता 1.5 माइक्रोग्राम प्रति ग्राम से भी कम है। निकटवर्ती भाग से लिए गए नमूनों में यह मात्रा एक माइक्रोग्राम से लेकर 200 माइक्रोग्राम प्रति ग्राम के बीच है। 'नेचर पत्रिका' में प्रकाशित अध्ययन में कहा गया है कि कम नमूने होने के कारण अभी यह स्पष्ट नहीं है कि यह शुष्क स्थिति कितनी व्यापक है। इसमें कहा गया है कि अभी और नमूनों पर अध्ययन किए जाने की जरूरत है।

भारतीय मूल के शख्स पर विमान में यौन उत्पीड़न का आरोप; टेक्सास की उड़ान के दौरान हुई वारदात

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका में एक घरेलू उड़ान में भारतीय मूल के शख्स पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगा है। संघीय अधिकारियों के मुतबिक, शख्स की उम्र 36 साल बताई जा रही है। उस पर एक साथी यात्री के यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया गया है। मोंटाना के संघीय अभियोजक कर्ट एल्मे ने 3 अप्रैल को एक बयान में कहा कि भावेशकुमार दहियाभाई शुक्ला पर मोंटाना से टेक्सास की उड़ान में आपत्तिजनक हरकत और यौन संपर्क का आरोप है। बयान में कहा गया, न्यू जर्सी के लेक हियावाथा के रहने वाले भावेशकुमार दहियाभाई शुक्ला पर संयुक्त राज्य अमेरिका के विशेष विमान क्षेत्राधिकार में अपमानजनक यौन संपर्क के लिए एक-मामले में अभियोग लगाया गया। अगर वे दोषी पाए जाते हैं, तो भावेशकुमार दहियाभाई शुक्ला को दो साल की कैद के साथ 2,50,000 अमेरिकी डॉलर का जुर्माना और कम से कम पांच साल की निगरानी रिहाई का सामना करना पड़ सकता है। बयान में आगे कहा गया कि आरोपी को 17 अप्रैल, 2025 को अभियोग के लिए पेश होना है। अभियोग में आरोप लगाया गया है कि 26 जनवरी, 2025 को बोजमैन से डलास जाने वाली अमेरिकन एयरलाइंस की उड़ान में भावेशकुमार दहियाभाई शुक्ला ने दूसरे यात्री की अनुमति के बिना उसके साथ यौन संबंध बनाए। अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय इस मामले में मुकदमा चला रहा है। बयान में कहा गया है कि एफबीआई, आईसीई और डलास फोर्ट वर्थ इंटरनेशनल एयरपोर्ट पुलिस ने मामले की गहन जांच की है।

बैसाखी के लिए पाकिस्तान ने भारतीय तीर्थयात्रियों को जारी किए 6,500 वीजा

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान उच्चायुक्त ने 10 से 19 अप्रैल आयोजित होने वाले बैसाखी पर्व को लेकर भारतीय तीर्थयात्रियों को 6,500 से अधिक वीजा जारी किए हैं। पाकिस्तानी कूटनीतिक मिशन ने सोमवार को एक बयान में कहा, भारत-पाकिस्तान के बीच 1974 के धार्मिक स्थलों पर यात्रा प्रोटोकॉल के तहत वाजा जारी किए गए हैं। यहां गुरुद्वारों में आयोजित होने वाले धार्मिक आयोजनों में हर साल सैकड़ों भारतीय श्रद्धालु शामिल होते हैं।

यमन में संदिग्ध अमेरिकी हमलों में कम से कम तीन लोग मारे गए: हूती विद्रोही

सना, एजेंसी। यमन में अमेरिका के संदिग्ध हवाई हमलों में कम से कम तीन लोग मारे गए, जबकि इससे एक दिन

पहले हुए हमले में मरने वालों की संख्या बढ़कर 13 हो गई है। ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने यह जानकारी दी है। इस बीच विद्रोहियों ने तस्वीरें जारी करके एक और अमेरिकी 'एमक्यू-9 रीपर ड्रोन' को मार गिराने का दावा किया। विद्रोहियों ने कहा कि मंगलवार रात होदेदा के अल-हवाक जिले में हुए हमलों में 13 लोगों की मौत हो गई, जबकि अन्य 15 लोग घायल हो गए, मारे गए लोगों में से अधिकतर महिलाएं और बच्चे थे। विद्रोहियों के 'अल-मसीरा सैटेलाइट न्यूज़ चैनल' द्वारा प्रसारित फुटेज में लोगों को घायलों को एम्बुलेंस तक ले जाए जाते तथा बचावकर्मी अपने मोबाइल फोन की रोशनी में घायलों की खोज करते दिखाई दिए। हूती विद्रोहियों के अनुसार राजधानी सना के दक्षिण में अल-सबीन जिले को निशाना बनाकर किए गए हवाई हमलों में कम से कम तीन लोग मारे गए।

सऊदी अरब में 14 नई जगहों पर तेल और प्राकृतिक गैस के भंडार मिले

दुबई, एजेंसी। सऊदी तेल कंपनी अरामको ने देश के पूर्वी क्षेत्र और खाली क्वार्टर में 14 तेल और प्राकृतिक गैस क्षेत्रों और तेल भंडार की खोज की है। राज्य समाचार एजेंसी एसपीए ने बुधवार को कहा कि ये भंडार भले ही संख्या में अधिक हैं, लेकिन उनमें गैस और तेल की मात्रा कम हैं। घोषणा के अनुसार, छह क्षेत्रों और दो रिजर्वायर में विभिन्न ग्रेड के अरब तेल पाए गए, जिनकी कुल मात्रा 8,126 बैरल प्रतिदिन है।

गणना से पता चलता है कि दो क्षेत्रों और चार जलाशयों से प्राकृतिक गैस की खोज कुल 80.5 मिलियन मानक क्यूबिक फीट प्रति दिन (एससीएफडी) थी। तेल क्षेत्रों और जलाशयों से संबद्ध गैस 2.11 मिलियन एससीएफडी तक पहुंच गई। उत्पादक समूह ओपेक की मार्च की रिपोर्ट में द्वितीयक स्रोतों के अनुसार, दुनिया के शीर्ष तेल निर्यातक राज्य ने फरवरी में लगभग 9 मिलियन बैरल प्रति दिन कच्चे तेल का उत्पादन किया।

सऊदी के पास दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा तेल भंडार : सऊदी अरब के पास दुनिया भर में दूसरा सबसे बड़ा तेल भंडार है, जिसका अनुमान लगभग 267 बिलियन बैरल है, जो दुनिया के कुल भंडार का लगभग 16-17प्रतिशत है। सऊदी अरब के खोजे जा चुके तेल भंडार वेनेजुएला के बाद दुनिया में दूसरे सबसे बड़े हैं। वहीं, सऊदी अरब का अनुमानित तेल भंडार लगभग 267 बिलियन

बैरल हैं। सऊदी अरब के भंडार ओपेक के सिद्ध भंडार का लगभग 22प्रतिशत प्रतिनिधित्व करते हैं।

सऊदी अरब के तेल भंडार को जानें सऊदी अरब के तेल भंडार के मुख्य क्षेत्रों में घावर फील्ड (दुनिया का सबसे बड़ा तटवर्ती तेल क्षेत्र) और सफानिया फील्ड (दुनिया का सबसे बड़ा अपतटीय तेल क्षेत्र) शामिल हैं। इन दोनों क्षेत्रों को सऊदी अरब की सरकारी तेल कंपनी सऊदी अरामको संचालित करती है। सऊदी अरामको दुनिया की सबसे बड़ी तेल उत्पादक कंपनी है। सऊदी अरब के पास प्राकृतिक गैस के महत्वपूर्ण भंडार भी हैं, जो घरेलू उत्पादन से अपनी सभी घरेलू खपत को पूरा करता है। सऊदी अरब में तेल की खोज 1938 में हुई थी।

पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा से तलाक की खबरों पर मिशेल ने तोड़ी चुप्पी, बोलीं- जो मेरे लिए सही, वही चुना

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के उनकी पत्नी मिशेल ओबामा के साथ तलाक की खबरें चल रही हैं। अब इन्हें लेकर मिशेल ओबामा ने अपनी बात रखी है। अभिनेत्री सोफिया बुश के साथ एक पॉडकास्ट बातचीत में मिशेल ओबामा ने कहा कि बीते कई हाई प्रोफाइल इवेंट से उनकी अनुपस्थिति की वजह खुद पर ध्यान देना है न कि तलाक।

बीते कई दिनों से चल रहीं थी तलाक की खबरें : मिशेल ओबामा ने कहा कि अब मैं अपना कैलेंडर खुद नियंत्रित करती हूं। मैं खुद को यह आजादी कई वर्ष पहले भी दे सकती थी, लेकिन मैं ऐसा नहीं कर सकी। मैंने बच्चों को बहाना बनाया और उन पर ध्यान दिया। गौरतलब है कि बराक ओबामा और मिशेल ओबामा एक आदर्श दंपति माने जाते हैं, लेकिन बीते कई हाई प्रोफाइल इवेंट से मिशेल ओबामी की गैरमौजूदगी से दोनों के तलाक की खबरों को बल मिला। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में मिशेल ओबामा शामिल नहीं हुई थी। साथ ही जनवरी में पूर्व राष्ट्रपति जिमी कार्टर के अंतिम संस्कार

कार्यक्रम में भी बराक ओबामा अकेले ही शामिल हुए थे।

मैंने वो चुना, जो मेरे लिए सही था : मिशेल ओबामा ने कहा कि मैंने वो चुना, जो मेरे लिए सही है, न कि वो, जो मुझे करना चाहिए था या दूसरे लोग मुझसे चाहते थे। मिशेल ने कहा कि तलाक की अटकलें, लोगों की महिलाओं की आजादी की मांग को स्वीकार नहीं करने की आदत के चलते उठीं। मुझे लगता है कि यही वजह चीज है, जिससे हम महिलाओं के रूप में जूझते हैं। लोग ये नहीं समझ पाए कि मैं खुद पर ध्यान देने का विकल्प चुन रही हूं, लेकिन लोगों ने मान लिया कि मैं तलाक ले रही हूं।

उल्लेखनीय है कि पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने भी बीते दिनों स्वीकार किया कि उनके राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान वे अपनी पत्नी के साथ रिश्ते पर ध्यान नहीं दे पाए। अपनी किताब मेमोर बिकमिंग में भी दंपति ने बताया कि बराक ओबामा के राजनीतिक करियर के दौरान दोनों के रिश्तों में चिड़चिड़ापन आ गया था।

विपक्षी नेता म्यांग ने दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति चुनाव में ठोका दावा, जनता से किया बड़ा वादा

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया में तीन जून को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता ली जे म्यांग भी दम दिखाएंगे। उन्होंने गुरुवार को आधिकारिक तौर पर राष्ट्रपति पद के लिए अपनी दावेदारी की घोषणा की। म्यांग ने कहा कि वे आर्थिक विकास के माध्यम से देश की स्थिति को ठीक करेंगे।

दक्षिण कोरिया में अपदस्थ राष्ट्रपति यून सुक येओल को दिसंबर में मार्शल लॉ लागू करने के मामले में पद से हटा दिया गया है। देश के कार्यवाहक नेता हान डक-सू ने मंगलवार को घोषणा की कि हाल ही में अपदस्थ राष्ट्रपति यून की जगह लेने के लिए 3 जून को समयपूर्व राष्ट्रपति चुनाव होंगे। विपक्षी पार्टी डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता ली जे म्यांग ने भी राष्ट्रपति चुनाव लड़ने का एलान किया है। ली 2022 में यून से मामूली अंतर से चुनाव हार गए थे। उन्होंने मार्शल लॉ की घोषणा के बाद पूर्व राष्ट्रपति को हटाने के लिए अभियान चलाया था। म्यांग ने चुनाव लड़ने के लिए पार्टी के अध्यक्ष के पद से इस्तीफा दे दिया है।

एक वीडियो संदेश में ली ने कहा कि यून के मार्शल लॉ की कहानी ने देश के गहरे विभाजन और सामाजिक संघर्षों को उजागर किया है। इसका मूल

कारण अमीर-गरीब के बीच बढ़ती खाई है। उन्होंने आर्थिक विकास को बढ़ावा देने और आय ध्रुवीकरण को कम करने के लिए आक्रामक सरकारी खर्च का वादा किया। हमारे पास पहले से कहीं ज़्यादा है, लेकिन धन कुछ क्षेत्रों में बहुत ज़्यादा केंद्रित है।

उन्होंने कहा कि दुनिया भर में आर्थिक विकास दर में गिरावट के साथ, केवल निजी क्षेत्र की ताकत पर अर्थव्यवस्था को बनाए रखना और विकसित करना मुश्किल हो गया है। हालांकि, सरकार के नेतृत्व में प्रतिभा विकास और तकनीकी अनुसंधान और विकास में व्यापक निवेश के साथ, हम अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित कर सकते हैं।

राष्ट्रपति मुर्मू ने स्लोवाकिया से संयुक्त फिल्म निर्माण में भागीदारी का अनुरोध किया

ब्रातीस्लावा, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को स्लोवाकिया की राजधानी ब्रातिस्लावा में कहा कि भारत और स्लोवाकिया के पास फिल्म निर्माण और बढ़ते मीडिया एवं मनोरंजन उद्योग में अपने सहयोग को मजबूत करने के महत्वपूर्ण अवसर हैं।

दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर आईं मुर्मू ने स्लोवाकिया के अपने समकक्ष राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रिनी के साथ चर्चा में स्लोवाकिया को एक से चार मई तक मुंबई में भारत द्वारा आयोजित आगामी 'वेव' शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया। 'वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट' (वेव्स) भारतीय कलाकारों को सामग्री तैयार करने और उसे वैश्विक बनाने के लिए प्रोत्साहित करेगा। राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि राष्ट्रपति मुर्मू ने स्लोवाकिया को फिल्मांकन गंतव्य और संयुक्त फिल्म निर्माण में भागीदार के रूप में बढ़ावा देने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। स्लोवाकिया हॉलीवुड निर्माताओं का पसंदीदा स्थान रहा है, लेकिन भारतीय फिल्म उद्योग ने 2019 में 'हाई टाट्रा पर्वतीय क्षेत्र' की ओर अपना ध्यान केंद्रित किया, जब अमिताभ बच्चन अभिनीत फिल्म 'चेहरे' की शूटिंग यहां हुई। भारत के राष्ट्रपति कार्यालय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''राष्ट्रपति मुर्मू ने भारत के तेजी से बढ़ते मीडिया, मनोरंजन और रचनात्मक अर्थव्यवस्था क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच अधिक निकटता से सहयोग करने की अपार संभावनाओं पर प्रकाश डाला, जिसमें स्लोवाकिया को फिल्म शूटिंग का गंतव्य और संयुक्त फिल्म निर्माण में भागीदार के रूप में बढ़ावा देना शामिल है।'' पेलेग्रिनी ने शाम में राष्ट्रपति मुर्मू के सम्मान में राजकीय भोज का आयोजन किया।

चीन ने अपने नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की, कहा- अमेरिका जाने से पहले सोच लें : बीजिंग, एजेंसी। चीन ने अमेरिका की यात्रा करने वाले अपने नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की है। संस्कृति और पर्यटन मंत्रालय ने बुधवार को एक ट्रैवल एजवाइजरी में चीनी नागरिकों से कहा कि वे अमेरिका जाने से पहले वहां के हालात का पूरा आकलन करें। इसमें कहा गया है कि अमेरिका में सुरक्षा की स्थिति और चीन-अमेरिका के बिगड़ते व्यापारिक रिश्तों के कारण यात्रा जोखिम भरी हो सकती है। इसके अलावा चीन के शिक्षा मंत्रालय ने छात्रों के लिए एक अलग चेतावनी जारी की है। इसमें छात्रों को अमेरिका जाने से बचने की सलाह दी गई है, क्योंकि उन्हें वहां वीजा, कागजी कार्रवाई, या कानूनी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

5 नए शेयरों पर क्वांट स्मॉलकैप फंड ने लगाया दांव

मुंबई, एजेंसी। क्वांट स्मॉलकैप फंड पूरी तरह से स्टेट बैंक ऑफ इंडिया से बाहर हो गया है। वहीं, क्वांट स्मॉलकैप फंड ने रिलायंस इंडस्ट्रीज में अपनी हिस्सेदारी घटाई है। स्मॉलकैप फंड ने मार्च में अपने पोर्टफोलियो में 5 नए स्टॉक्स जोड़े हैं। फंड ने मार्च में एसबीआई के करीब 40.04 लाख शेयर बेचे हैं। इसके अलावा, क्वांट स्मॉलकैप फंड ने इस साल मार्च में रिलायंस इंडस्ट्रीज के करीब 5.66 लाख शेयर बेचे हैं। फंड के पोर्टफोलियो में अब रिलायंस इंडस्ट्रीज के 1.95 करोड़ शेयर रह गए हैं। फरवरी में फंड के पोर्टफोलियो में रिलायंस इंडस्ट्रीज के 2.01 करोड़ शेयर थे। यह बात इकनॉमिक टाइम्स की एक रिपोर्ट में कही गई है। क्वांट स्मॉलकैप फंड, क्वांट म्यूचुअल फंड की तरफ से मैनेज किया जाने वाला सबसे बड़ा फंड है।

फंड का इन 5 नए स्टॉक्स पर दांव– फंड ने अपने पोर्टफोलियो में बंधन बैंक, कैस्ट्रॉल इंडिया, शिपिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया, स्टैनली लाइफस्टाइल्स और वेलस्पन इंडिया ये पांच स्टॉक्स जोड़े हैं। क्वांट स्मॉलकैप फंड ने बंधन बैंक के 24.48 लाख शेयर, कैस्ट्रॉल इंडिया के 22.43 लाख शेयर, शिपिंग कॉरपोरेशन के 26.56 लाख शेयर, स्टैनली लाइफस्टाइल्स के 3.09 लाख शेयर और वेलस्पन इंडिया के 72.68 लाख शेयर खरीदे हैं।

59 प्रतिशत तक चढ़ेगा अडानी समूह का यह शेयर, 800 के पार जाएगा भाव

मुंबई, एजेंसी। अगर आप अडानी समूह की कंपनी पर दांव लगाने की सोच रहे हैं तो आपके लिए काम की खबर है। मार्केट एनालिस्ट ने अडानी पावर के शेयर को खरीदने की सलाह दी है। यह शेयर – अडानी पावर का है। अडानी पावर के शेयर बीते बुधवार को 1 प्रतिशत से अधिक टूटकर 508 रुपये पर बंद हुए थे। आज गुरुवार को महावीर जयंती के मौके पर शेयर बाजार में कारोबार बंद है।

क्या है टारगेट प्राइस

वेंचुरा सिक्योरिटीज के अडानी पावर के शेयर पर 806 रुपये का टारगेट प्राइस सेट किया है। इसका मतलब है कि पिछले बंद प्राइस से अडानी समूह का यह शेयर 59 प्रतिशत तक चढ़ सकता है। ब्रोकरेज ने अपने नोट में लिखा है कि वित्त वर्ष 2024 में अडानी पावर के रेवेन्यू में 29.9 प्रतिशत और एबिटा (ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन से पहले की आय) में 81 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 31 तक कंपनी का लक्ष्य अपनी क्षमता को 30.67 गीगावाट तक बढ़ाना है। वित्त वर्ष 2024-27ई के दौरान राजस्व और एबिटा में क्रमश: 11.8 प्रतिशत और 10.6 प्रतिशत चक्रवृद्धि वृद्धि होने की उम्मीद है।

दिसंबर तिमाही के नतीजे– अडानी पावर का दिसंबर तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ सात प्रतिशत बढ़कर 2,940 करोड़ रुपये हो गया। मुख्य रूप से बिजली की बिक्री बढ़ने से राजस्व में वृद्धि हुई है। कंपनी के मुताबिक, ''वित्त वर्ष 2024-25 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में एकीकृत कुल राजस्व 11 प्रतिशत बढ़कर 14,833 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में 13,355 करोड़ रुपये था। अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में शुद्ध लाभ सात प्रतिशत बढ़कर 2,940 करोड़ रुपये हो गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 2,738 करोड़ रुपये था।

रियलमी ने रियलमी नार्ज़ो 80 प्रो और 80एक्स को किया लॉन्च

मुंबई, एजेंसी। रियलमी, जो आज के भारतीय युवाओं का सबसे पसंदीदा स्मार्टफोन ब्रांड है उसने आज रियलमी नार्ज़ो 80 प्रो 5जी और रियलमी नार्ज़ो 80एक्स 5जी को लॉन्च किया। ये दोनों ही फोन अपनी कैटेगरी में परफॉर्मेंस के मायने में उम्दा है। इनमें रियलमी की खास टेक्नोलॉजी और दमदार फीचर्स का शानदार मेल हैं, वो भी बेहतरीन और किफायती कीमतों पर। रियलमी नार्ज़ो 80 प्रो 5जी और रियलमी नार्ज़ो 80एक्स 5जी में कई इंडस्ट्री-फर्स्ट फीचर्स दिए गए हैं, जैसे आईपी69 वॉटरप्रूफिंग, मिलिट्री-ग्रेड शॉक रेजिस्टेंस और एडवांस कूलिंग सिस्टम।

रियलमी की मेक इट रियल सोच के मुताबिक, इन स्मार्टफोन्स में प्रीमियम डिज़ाइन को जबरदस्त मजबूती के साथ भावी पीढ़ी के लिए अव्वल दर्जे की परफॉर्मेंस देने वाले के रूप में तैयार किया गया है। जो उन यूज़र्स के लिए एक दम सही है, जो हर चीज़ में कुछ ज्यादा चाहते हैं। रियलमी के प्रवक्ता ने कहा कि नार्ज़ो 80 सीरीज़ हमारा अब तक का सबसे पावरफुल ऑफर है उन यूज़र्स के लिए, जो बिना समझौता किए दमदार परफॉर्मेंस चाहते हैं।

तन्मय शाह, कैटेगरी लीडर

स्मार्टफोन्स और एक्सेसरीज़ एमेजॉन इंडिया ने बताया कि हमें खुशी है कि हम एमेजॉन.इन पर अपने बढ़ते 5जी स्मार्टफोन रेंज में नया रियलमी नार्ज़ो 80 सीरीज़ जोड़ रहे हैं, नार्ज़ो 80 प्रो 5जी शानदार गेमिंग परफॉर्मेंस देने का वादा करता है, वहीं नार्ज़ो 80एक्स 5जी की बैटरी काफी लंबे समय तक साथ न छोड़ने का वादा करती है। हमें पूरा भरोसा है कि ये दोनों डिवाइसेज़ उन सभी यूज़र्स की जरूरतों को पूरा करेंगे, जो दमदार परफॉर्मेंस वाले स्मार्टफोन्स को किफायती कीमत पर ढूंढ रहे हैं।

ये दोनों स्मार्टफोन एमेजॉन.इन पर रोमांचक कूपन ऑफर्स और आसान नो-कॉस्ट ईएमआई विकल्पों के साथ उपलब्ध होंगे।

4 सरकारी बैंकों ने ब्याज दरें घटाई, मौजूदा और नए ग्राहकों को होगा फायदा

मुंबई, एजेंसी। सार्वजनिक क्षेत्र के चार बैंकों ने बुधवार को रेपो दर में कटौती किए जाने के कुछ घंटों के ही भीतर उधारी दरों में 0.25 प्रतिशत तक की कटौती करने की घोषणा कर दी। ब्याज दर में कटौती करने वाले बैंकों में पंजाब नेशनल बैंक, बैंक ऑफ इंडिया, इंडियन बैंक और यूको बैंक शामिल हैं। बैंकों के इस फैसले से उनके मौजूदा और नए उधारकर्ताओं दोनों को फायदा होगा। अन्य बैंकों की तरफ से भी जल्द ही इसी तरह की घोषणा किए जाने की उम्मीद है। आरबीआई ने प्रमुख नीतिगत दर रेपो में 0.25 प्रतिशत की कटौती कर 6.0 प्रतिशत करने की घोषणा की थी। सार्वजनिक क्षेत्र के इन बैंकों ने शेयर बाजारों को अलग-अलग दी गई सूचनाओं में कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से अल्पकालिक ऋण दर (रेपो रेट) में कटौती किए जाने के बाद ऋण दर में यह संशोधन किया गया है। रेपो रेट घटने से बैंक क्यों कर देते हैं लोन सस्ता-रेपो रेट कम होने से बैंकों को आरबीआई से सस्ते दरों पर पैसा मिलेगा, जिससे वे होम लोन, कार लोन, पर्सनल लोन आदि पर ब्याज दरें कम कर सकते हैं। इससे ईएमआई कम होगी और लोगों की मासिक बचत बढ़ेगी। छोटे व्यवसायियों और उद्यमियों को भी सस्ते लोन मिलेंगे, जिससे निवेश और रोजगार के अवसर बढ़ सकते हैं। चेन्नई स्थित इंडियन बैंक ने कहा कि उसकी रेपो-संबद्ध मानक उधारी दर (आरबीएलआर) 11 अप्रैल से 35 आधार अंकों की कटौती करके 8.70 प्रतिशत कर दी जाएगी। इस बीच, पंजाब नेशनल बैंक ने आरबीएल आर को 9.10 प्रतिशत से संशोधित कर 8.85 प्रतिशत कर दिया है।

टाटा प्ले बिंज लेकर आया है, आईपीएल के उत्साह के बीच क्रिकेट के रोमांच वाली फ़िल्में

मुंबई। पूरे देश में आईपीएल का उत्साह व्याप्त है। सभी पर क्रिकेट का बुखार चढ़ा है। मैच में छक्का लगने की खुशी हो, या फिर फैंटेसी लीग में बढ़ता स्कोर देखने की उत्सुकता, स्टेडियम से लेकर आपके घर की स्क्रीन तक, यह क्रिकेट का दौर बहुत ही रोमांचक है। लेकिन यदि रोज मैच देखने के बाद भी आपका मन न भरे, तो टाटा प्ले बिंज़ आपके लिए लेकर आया है क्रिकेट की प्रेरणा से बनी बेहतरीन फिल्में और सीरीज़। टाटा प्ले बिंज के साथ आप भावनाओं का उतार-चढ़ाव और रोमांच अपनी स्क्रीन पर देख सकेंगे, वो भी चैनल बदले बिना और अलग-अलग जगह लॉग इन किए बिना।

क्रिकेट का पूरा मनोरंजन मिलेगा एक ही जगह पर। तो जब मैच होगा खत्म, बिंज होगा शुरू। मैच खत्म होने के बाद भी अपनी क्रिकेट की जिज्ञासा को जारी रखें। आईपीएल मैच के उत्साह के बीच देखिए उस खिलाड़ी की कहानी, जो चेन्नई सुपरकिंग्स को ले गया विजय के शिखर पर? एमएस धोनी : द अनटोल्ड स्टोरी में भारत के महान क्रिकेट खिलाड़ियों में से एक, महेंद्र सिंह धोनी का जीवन दिखाया गया है। एक छोटे से शहर से आने से लेकर विश्व कप में भारत को जीत दिलाने तक वो अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के इतिहास के सबसे सफल खिलाड़ियों में से एक हैं।

अमेज़न इंडिया 2025 के दौरान

आश्रय विश्राम केंद्रों के नेटवर्क को बढ़ाकर करेगी 100 तक

मुंबई, एजेंसी। अमेज़न इंडिया ने घोषणा की कि उसने 2025 के दौरान देश भर में अपने आश्रय केंद्रों के अपने नेटवर्क को बढ़ाकर 100 तक करने की योजना बनाई है। ये आश्रय केंद्र ऐसे विश्राम स्थल हैं जो ई-कॉमर्स और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में डिलीवरी एसोसिएट को बैठने की वातानुकूलित जगह, स्वच्छ पेयजल, इलेक्ट्रोलाइट, मोबाइल चार्जिंग पॉइंट, शौचालय, प्राथमिक चिकित्सा किट और जलपान की सुविधा प्रदान करते हैं। यह उद्योग में अपने किस्म की पहली पहल है जिसके ज़्यादा व्यस्त क्षेत्रों में डिलीवरी एसोसिएट (डिलीवरी कर्मियों) और लॉजिस्टिक्स भागीदारों के लिए विशिष्ट विश्राम केंद्र मुहैया कराए जाते हैं।

पेट्रोल पंप और वाणिज्यिक किराये की जगहों (कमर्शियल रेंटल) पर स्थित ये केंद्र आवश्यक सुविधाओं से लैस हैं। ये आश्रय केंद्र पूरे साल भर में सप्ताह के सातों दिन सुबह 9 बजे से रात 9 बजे तक संचालित होते हैं, जो यहां आने वाले सभी डिलीवरी एसोसिएट को हर बार आने पर 30 मिनट तक निःशुल्क उपयोग की सुविधा प्रदान करते हैं। किसी भी समय 15 लोगों के साथ बैठने-आराम करने की सुविधा प्रदान करने की क्षमता वाले इन केंद्रों में सुविधाजनक पार्किंग की भी सहूलियत होती है।

अमेज़न में वीपी ऑपरेशंस, भारत एवं ऑस्ट्रेलिया, अभिनव सिंह ने कहा, डिलीवरी एसोसिएट का स्वास्थ्य, तंदुरुस्ती और आराम हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। आश्रय केंद्र में स्वच्छ पेयजल, प्राथमिक चिकित्सा किट और चार्जिंग पॉइंट जैसी आवश्यक सुविधाओं के साथ वातानुकूलित विश्राम क्षेत्र की भी व्यवस्था होती है। ये केंद्र डिलीवरी एसोसिएट को उनके व्यस्त शेड्यूल के दौरान आराम और सुरक्षा प्रदान करते हैं। ईकॉमर्स और लॉजिस्टिक्स इकोसिस्टम में सभी डिलीवरी एसोसिएट के लिए इन सुविधाओं को खोलने से पूरे लॉजिस्टिक्स समुदाय मदद मिलती है और इससे उद्योग के मानकों को ऊपर उठाने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता ज़ाहिर होती है।

सोने के उछले भाव, इस साल 14421 हुआ महंगा

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा चीन पर टैरिफ (आयात शुल्क) बढ़ाने के फैसले के बाद निवेशकों ने सोने में जमकर पैसा लगाया और एक बार फिर सोने के भाव में तेजी देखने को मिल रही है। स्पॉट गोल्ड गुरुवार को 0.2 प्रतिशत बढ़कर 3,089.17 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया।

वहीं, अमेरिकी गोल्ड फ्यूचर्स 0.8 प्रतिशत चढ़कर 3,104.90 डॉलर पर पहुंच गया। पिछले दिनों स्पॉट गोल्ड 2.6 प्रतिशत और फ्यूचर्स 3 प्रतिशत उछले थे। जबकि, 3 अप्रैल को सोना 3,167.57 डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर था। महावीर जयंती के मौके पर आज 10 अप्रैल को भारतीय शेयर मार्केट और कमोडिटी बाजार बंद रहेंगे। हालांकि, शाम 5 बजे मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज यानी एमसीएक्स पर कमोडिटी ट्रेडिंग शुरू होगी।

इस साल अबतक सोना 14421 रुपये उछला

अगर घरेलू सर्राफा मार्केट की बात करें तो इस साल अबतक सोना 14421 रुपये प्रति 10 ग्राम महंगा हो चुका है। वहीं, चांदी के भाव 4652 रुपये चढ़े हैं। अगर अप्रैल की बात करें तो गोल्ड की कीमत 997 रुपये चढ़ी है और चांदी 10265 रुपये कमजोर हुई है।

सोने के भाव में 1611 रुपये की उछाल– भारतीय सर्राफा बाजारों में सोने का हाजिर भाव एक बार फिर उछल गया है। आईबीजेए के अनुसार बुधवार को 24 कैरेट सोने के भाव में 1611 रुपये का उछाल आया और यह 90161 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। चांदी भी 306 रुपये चढ़कर 90669 रुपये पर पहुंच गई। हालांकि, एमसीएक्स पर सोना बुधवार को 80 रुपये (0.09 प्रतिशत) गिरकर 89,724 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। दिन में यह 90,853 रुपये तक भी पहुंचा था। चांदी 2,856 रुपये (3.22 प्रतिशत) चढ़कर 91,600 रुपये प्रति किलो हुई।

क्यों बढ़ रहा है सोना

ट्रंप ने चीन से आयात पर टैरिफ 104 प्रतिशत से बढ़ाकर 125 प्रतिशत कर दिया, लेकिन अन्य देशों पर टैरिफ बढ़ाने को 90 दिन के लिए टाल दिया। निवेशकों को डर है कि टैरिफ से महंगाई बढ़ेगी और अर्थव्यवस्था प्रभावित होगी।

आरबीआई गवर्नर ने कहा

अमेरिकी टैरिफ से प्रभावित होंगे सभी देश

भारतीय अर्थव्यवस्था पर कम होगा असर

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के जवाबी टैरिफ लगाने के बाद व्यापार युद्ध गहराने की चिंता ने सभी क्षेत्रों में आर्थिक परिदृश्य को प्रभावित किया है। ट्रंप टैरिफ से न सिर्फ दुनियाभर की अर्थव्यवस्थाओं पर असर पड़ेगा, बल्कि निर्यात और महंगाई के लिए भी नई चुनौतियों के साथ जोखिम पैदा हुए हैं। हालांकि, भारत पर टैरिफ का असर कई अन्य देशों की तुलना में कम होगा। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक की जानकारी देते हुए कहा, भारत के कुल निर्यात का जीडीपी में 12 फीसदी योगदान है, जबकि अमेरिका को होने वाला निर्यात 2 फीसदी से भी कम है। इसके उलट, चीन की जीडीपी में उसके निर्यात का हिस्सा करीब 19 फीसदी, जर्मनी का 37 फीसदी और यूरोपीय संघ (ईयू) का 30 फीसदी से ज्यादा है। इसी प्रकार, ताइवान और ईरान जैसे देशों से होने वाले निर्यात का उनकी जीडीपी में अधिक योगदान है। इसके अलावा, टैरिफ भारत के लिए कम महत्वपूर्ण है, क्योंकि अमेरिका के साथ हमारा व्यापार अधिशेष अन्य देशों से कम है। यह भारत को अमेरिकी टैरिफ के संदर्भ में तुलनात्मक लाभ देता है। हालांकि, यह सच है कि टैरिफ वृद्धि दर को धीमा कर सकता है। गवर्नर ने कहा, दुनिया में मची उथल-पुथल के बीच अमेरिकी डॉलर में गिरावट आई है। बॉन्ड पर रिटर्न घटा है। शेयर बाजारों में गिरावट आ रही है। क्रूड करीब चार साल के निचले स्तर पर आ गया है। ऐसे हालात में केंद्रीय बैंक प्राथमिकताओं के आधार पर सतर्कतापूर्वक काम कर रहे हैं।

शुल्क युद्ध के महंगाई से ज्यादा वृद्धि पर प्रभाव को लेकर चिंता– जहां तक भारत पर अमेरिकी शुल्क के प्रभाव का सवाल है, हमने अपना आकलन दे दिया है। हमने 2025-26 के लिए वृद्धि दर अनुमान में 0.20 फीसदी की कमी की है। इसका प्रमुख कारण वैश्विक अनिश्चितता है। शुल्क युद्ध का महंगाई की तुलना में आर्थिक वृद्धि पर असर को लेकर चिंता ज्यादा है।

यूपीआई : ग्राहक अब कर सकेंगे ज्यादा भुगतान– आरबीआई ने भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) को यूपीआई के जरिये 'पर्सन-2-मर्चेंट (पी2एम) लेनदेन की सीमा बढ़ाने की मंजूरी दे दी है। केंद्रीय बैंक के इस कदम के बाद यूपीआई के जरिये बड़े भुगतान का रास्ता खुल गया है। हालांकि, पर्सन-2-पर्सन (पी2पी) यूपीआई लेनदेन की सीमा पहले की तरह एक लाख रुपये ही रहेगी। यानी एक व्यक्ति यूपीआई के जरिये किसी दूसरे शख्स को एक बार में अधिकतम एक लाख रुपये ही भेज सकता है। वर्तमान में व्यक्ति से कारोबारियों (पी2एम) को लेनदेन के तहत ग्राहक पूंजी बाजार और बीमा जैसे मामलों में एक बार में अधिकतम दो लाख रुपये का भुगतान कर सकता है। वहीं, टैक्स, शैक्षणिक संस्थानों, अस्पतालों और आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए भुगतान सीमा पांच लाख रुपये है।

गवर्नर ने कहा, अर्थव्यवस्था की जरूरतों के अनुसार एनपीसीआई, बैंकों और यूपीआई परिवेश से जुड़े अन्य पक्षों के परामर्श से उपयोगकर्ता की बदलती जरूरतों के आधार पर यूपीआई सीमा में संशोधन कर सकता है। बैंकों को एनपीसीआई की घोषित सीमाओं के भीतर अपनी आंतरिक लिमिट तय करने का विवेकाधिकार बना रहेगा। ऊंची सीमा से जुड़े जोखिमों को कम करने के लिए उचित सुरक्षा उपाय किए जाएंगे।

विदेशी मुद्रा भंडार : पांच महीने के उच्च स्तर पर

आरबीआई ने बताया, देश का विदेशी मुद्रा भंडार 4 अप्रैल तक 10.9 अरब डॉलर बढ़कर 676.3 अरब डॉलर पहुंच गया, जो पांच महीने का सर्वाधिक स्तर है। यह भंडार लगातार पांचवें सप्ताह बढ़ा है।

अमेरिका को 2024 में 33 अरब डॉलर का निर्यात

भारत ने 2024 में अमेरिका को करीब 33 अरब डॉलर की वस्तुओं का निर्यात किया है। इनमें सर्वाधिक 8.1 अरब डॉलर के फार्मा उत्पादों का निर्यात शामिल है। 6.5 अरब डॉलर के दूरसंचार उपकरणों, 5.3 अरब डॉलर की कीमती पत्थरों, 4.1 अरब डॉलर के पेट्रोलियम उत्पादों का भी निर्यात किया गया है। भारत ने 2024 में अमेरिका से 4.5 अरब डॉलर के क्रूड समेत 18.1 अरब डॉलर के उत्पादों का आयात किया है।

जीडीपी के लिए कुछ अच्छे संकेत, 6.5 फीसदी रहेगी वृद्धि दर

आरबीआई गवर्नर ने कहा, वैश्विक चुनौतियों के बीच घरेलू अर्थव्यवस्था के लिए कुछ अच्छे संकेत भी दिख रहे हैं। जलाशयों की बेहतर स्थिति और चालू वित्त वर्ष में फसल उत्पादन अच्छा रहने के अनुमान से कृषि क्षेत्र की संभावनाएं उज्ज्वल हैं। विनिर्माण गतिविधियों में सुधार है। कारोबारी उम्मीदें मजबूत हैं। सेवा क्षेत्र भी जुझारू प्रदर्शन कर रहा है। निवेश गतिविधियों में तेजी आई है। उच्च क्षमता उपयोग के साथ सरकार बुनियादी ढांचे पर खर्च बढ़ा रही है। बैंकों एवं कंपनियों के बेहतर बही-खाते और वित्तीय स्थितियों में सुधार से निवेश बढ़ने की उम्मीद है। मल्होत्रा ने कहा, बेहतर कृषि उत्पादन और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट को देखते हुए खुदरा महंगाई के मोर्चे पर राहत मिलने की उम्मीद है।

चैत्र पूर्णिमा पर भगवान शिव के ग्यारहवें अवतार हनुमान का जन्म हुआ था और यह दिन हनुमान जयंती के रूप में धूमधाम से मनाया जाता है। शास्त्रों के अनुसार हनुमान जयंती वर्ष में दो बार मनाई जाती है, पहली चैत्र मास की शुक्ल पूर्णिमा के दिन और दूसरी कार्तिक मास की कृष्ण चतुर्दशी को।

शिव के ग्यारहवें रुद्र हैं हनुमान

वाल्मीकि रामायण के अनुसान हनुमान का जन्म कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी को हुआ जबकि पुराणों में पवनसुत का जन्म चैत्र पूर्णिमा बताया गया है। वैसे अधिकांश जगहों पर चैत्र पूर्णिमा को ही मारुतिनंदन हनुमान की जयंती धूमधाम से मनाई जाती है। स्कंदपुराण में वर्णन है कि शिव के ग्यारहवें रुद्र ही विष्णु के अवतार श्रीराम की सहायता हेतु हनुमान रूप में अवतरित हुए। भगवान शंकर ने श्री विष्णु से दास्य का वरदान प्राप्त किया था, जिसे पूर्ण करने हेतु वह अवतार लेना चाहते थे।परंतु उनके समक्ष धर्मसंकट यह था कि जिस रावण के वध हेतु वह श्रीराम की सहायता करना चाहते थे वह उनका परम भक्त था। अपने परम भक्त के विरुद्ध राम की सहायता वह आखिर कैसे करते यह प्रश्न था। रावण ने अपने दस सिरों को अर्पित कर भगवान शंकर के दस रुद्रों को संतुष्ट कर रखा था। अतः हनुमान ग्यारहवें रुद्र के रूप में अवतरित हुए और राम के सहायक बने। कलियुग में भक्तों के कष्टों को हरने में हनुमान समान दूसरा कोई देव नहीं है। वे जल्दी कृपा करते हैं। गोस्वामी तुलसीदास उनके बारे में लिखते हैं –

संकट कटे मिटे सब पीरा
जो सुमिरै हनुमत बल बीरा।

सभी देवताओं के पास अपनी-अपनी शक्तियां हैं। जैसे विष्णु के पास लक्ष्मी, महेश के पास पार्वती और ब्रह्मा के पास सरस्वती लेकिन हनुमान खुद की शक्ति से संचालित देव हैं। वे सर्वशक्तिशाली हैं लेकिन अपने आराध्य के प्रति पूर्ण समर्पित हैं। अपूर्व बलशाली होते हुए भी वे भक्ति की अनुपम मिसाल हैं। उनकी भक्ति भावना से प्रसन्ना होकर श्रीराम ने ही उन्हें वरदान दिया था कि मुझसे भी ज्यादा तुम्हारे मंदिर होंगे और लोग अपने संकटों के निवारण के लिए तुम्हारी उपासना करेंगे। हनुमान भक्तों की पुकार पर तुरंत ही उनके कष्ट हरते हैं। कलियुग में हनुमान सभी तरह के कष्टों को दूर करते हैं। वे भक्तों का हर तरह से मंगल करते हैं। वेद पुराणों में हनुमानजी को अजर-अमर कहा गया है। शास्त्रों में सप्त चिरंजीवों में हनुमान, राजा बली, महामुनि व्यास, अंगद, अश्वत्थामा, कृपाचार्य और विभीषण सम्मिलित हैं। चूंकि हनुमान सदेह इस धरा पर मौजूद हैं तो उनकी उपासना किसी भी तरह से की जाए निश्चित फलदायी होती है।

मनोकामना पूर्ण करेंगे पवनसुत

तंत्र शास्त्र के अनुसार मंगलवार के दिन हनुमान को प्रसन्ना करने के लिए कुछ उपाय सार्थक सिद्ध होते हैं। ऐसे ही कुछ उपाय–

मंगलवार को संध्याकाल में किसी हनुमान मंदिर में जाएं और एक सरसों तेल का और शुद्ध घी का दीपक जलाएं। हनुमान चालीसा का पाठ करें।
मंगलवार की सुबह पीपल के पेड़ के नीचे सरसों के तेल का दीया जलाएं। उसके बाद पूर्व दिशा की ओर मुख करके राम नाम का जाप करें।
यदि शनि दोष से पीढ़ित हैं तो हनुमान चालीसा का पाठ करने पर शनिदेव व्यक्ति का बुरा नहीं करते हैं।

हनुमान जयंती पर करें ये उपाय

हनुमान जयंती के दिन रामायण और राम रक्षास्त्रोत का पाठ करने से आपको मानसिक और शारीरिक शक्ति मिलती है।
हनुमान जयंती पर उन्हें सिंदूर और चमेली का तेल चढ़ाएं। ऐसा करने से शुभ समाचार प्राप्त होंगे।
यदि व्यापार में गिरावट हो तो हनुमानजी को चोला चढ़ाने से फायदा मिलता है।
हनुमान जयंती के दिन किसी हनुमान मंदिर की छत पर लाल झंडा लगाने से हर तरह के आकस्मिक संकट से मुक्ति मिलती है।

सौभाग्य के लिए आजमाएं यह उपाय

हनुमानजी के मंत्रों का प्रयोग किसी भी शुभ मुहूर्त में मंगलवार या शनिवार को किया जा सकता है। जो व्यक्ति नौकरी, व्यवसाय, करियर, प्यार, सेहत और प्रगति की मनोकामना रखता है, उसके लिए यह प्रयोग वरदान साबित हो सकता है। अत: जिस किसी को भी अपने जीवन में हर तरफ से सफलता पाना है, उसे यह उपाय अवश्य करना चाहिए। रोजगार-ऐश्वर्य प्राप्ति के लिए हनुमत्गायत्री मंत्र की यथाशक्ति 11-21-51 माला करें। देशकाल के अनुसार हवन करें। मंत्र सिद्ध हो जाएगा। पश्चात नित्य 1 माला जपें।

ॐ नम: शिवाय ॐ हं हनुमते श्री रामचन्द्राय नम:।
ॐ नमो भगवते आंजनेयाय महाबलाय स्वाहा।
ॐ नमो भगवते हनुमते महारुद्राय हुं फट स्वाहा
ॐ हं पवन नंदनाय स्वाहा
ॐ नमो हरिमर्कट मर्कटाय स्वाहा।
ॐ ह्रीं आंजेनाय विद्महे, पवनपुत्राय धीमहि तन्नो: हनुमान प्रचोद्यात।।

इसलिए चढ़ाते हैं हनुमान जी को सिंदूर

रामायण में एक कथा प्रसिद्ध है कि हनुमानजी ने जानकी की मांग में सिंदूर लगा देख आश्चर्य से पूछा- माते, आपने यह लाल द्रव्य मस्तक पर क्यों लगाया है? माता जानकी ने हनुमान की इस उत्सुकता पर कहा, पुत्र, इसे लगाने से मेरे स्वामी की रक्षा होती है, वे दीर्घायु होते हैं और वे मुझ पर सदैव प्रसन्न रहते हैं। हनुमानजी ने यह सुना तो वे बहुत प्रसन्ना हुए और विचार किया कि जब अंगुलीभर सिंदूर से प्रभु की रक्षा होती है तो क्यों न पूरे शरीर पर सिंदूर लगाकर स्वामी को सुरक्षित कर दूं। उन्होंने वैसा ही किया। जब वे इस तरह श्रीराम के सामने पहुंचे तो प्रभु मुस्कुराए बिना न रह सके। हनुमान का विश्वास मां जानकी के वचनों में पक्का हो गया। तभी से हनुमान की भक्ति का स्मरण करते हुए उन्हें सिंदूर चढ़ाया जाने लगा।

शनि के प्रभाव से बचाते हैं हनुमान

रामायण से विदित होता है कि लंकापति रावण के सभी भ्राता व पुत्रों की जब मृत्यु हो रही थी तो अपने अमरत्व के लिए उसने सौरमंडल के सभी ग्रहों को अपने दरबार में कैद कर लिया था। रावण की कुंडली में शनि ही एकमात्र ऐसा ग्रह था जिसकी वक्रावस्था व योगों के कारण रावण के लिए मार्केश की स्थिति उत्पन्न हो रही थी जिसे बदलने के लिए रावण ने शनि को दरबार में उलटा लटका दिया था और यातनाएं दी थीं परंतु शनि के व्यवहारों में कोई बदलाव नहीं आया था। जब विभीषण ने हनुमान को इस बारे में में बताया तो हनुमान ने शनि को रावण की कैद से मुक्त कराया था। तभी शनिदेव ने हनुमान को वरदान दिया था कि जो भी उनकी आराधना करेगा उसे वह कष्ट नहीं पहुंचाएंगे।

हनुमान जी की पूजा कब और कैसे करें

भगवान शिव के एकादश रुद्रावतारों में से एक हैं हनुमानजी। आपका जन्म वैशाख पूर्णिमा को हुआ माना जाता है। इसी दिन हनुमान जयंती मनाई जाती है। उनके पूजन की शिवार्चन के जैसी सरल साधना विधि है। आवश्यकता के अनुसार मंत्र इत्यादि में परिवर्तन किया जाता है। पूर्णत: सात्विक रहते हुए हनुमानजी का पूजन-भजन करना चाहिए अन्यथा देव कोप भोगना पड़ सकता है।

साधारणतया हनुमान प्रतिमा को चोला चढ़ाते हैं। हनुमानजी की कृपा प्राप्त करने के लिए मंगलवार को तथा शनि महाराज की साढ़े साती, अढैया, दशा, अंतरदशा में कष्ट कम करने के लिए शनिवार को चोला चढ़ाया जाता है। साधारणतया मान्यता इन्हीं दिनों की है, लेकिन दूसरे दिनों में रवि, सोम, बुध, गुरु, शुक्र को चढ़ाने का निषेध नहीं है। चोले में चमेली के तेल में सिन्दूर मिलाकर प्रतिमा पर लेपन कर अच्छी तरह मलकर, रगड़कर चांदी या सोने का वर्क चढ़ाते हैं। इस प्रक्रिया में कुछ बातें समझने की हैं। पहली बात चोला चढ़ाने में ध्यान रखने की है। अछूते (शुद्ध) वस्त्र धारण करें। दूसरी नख से शिख तक (सृष्टि क्रम) तथा शिख से नख तक संहार क्रम होता है। सृष्टि क्रम यानी पैरों से मस्तक तक चढ़ाने में देवता सौम्य रहते हैं। संहार क्रम से चढ़ाने में देवता उग्र हो जाते हैं। यह चीज श्रीयंत्र साधना में सरलता से समझी जा सकती है। यदि कोई विशेष कामना पूर्ति हो तो पहले संहार क्रम से, जब तक कि कामना पूर्ण न हो जाए, पश्चात सृष्टि क्रम से चोला चढ़ाया जा सकता है। ध्यान रहे, पूर्ण कार्य संकल्पित हो। सात्विक जीवन, मानसिक एवं शारीरिक ब्रह्मचर्य का पालन अनिवार्य है। हनुमानजी के विग्रह का पूजन एवं यंत्र पूजन में काफी असमानताएं हैं। प्रतिमा पूजन में सिर्फ प्रतिमा का पूजन तथा यंत्र पूजन में अंग देवताओं का पूजन होता है।

हनुमान चालीसा एवं बजरंग बाण सर्वसाधारण के लिए सरल उपाय हैं। सुन्दरकांड का पाठ भी अच्छा है, समय जरूर अधिक लगता है। हनुमानजी के काफी मंत्र उपलब्ध हैं। आवश्यकता के अनुसार चुनकर साधना की जा सकती है। शाबर मंत्र भी हैं, लेकिन इनका प्रयोग गुरुदेव की देखरेख में करना उचित है। एकदम जादू से कोई सिद्धि नहीं मिलती अत: धैर्य, श्रद्धा, विश्वास से करते रहने पर देवकृपा निशिचत हो जाती है।

शास्त्रों में लिखा है- 'जपात सिद्धि-जपात सिद्धि' यानी जपते रहो, जपते रहो, सिद्धि जरूर प्राप्त होगी। कलयुग में साक्षात देव हनुमानजी हैं। हनुमानजी की साधना से अर्थ, धर्म, काम, मोक्ष सभी करतलगत हो सकते हैं। इति।

हनुमानजी के 12 चमत्कारिक नाम मिटाएंगे जीवन के सारे संकट.

प्रभु श्रीराम के भक्त हनुमानजी की उपासना से जीवन के सारे संकट मिट जाते है। माना जाता है कि हनुमानजी एक ऐसे देवता है जो थोड़ी-सी प्रार्थना और पूजा से ही शीघ्र प्रसन्न होते है। इनके पूजन के लिए मंगलवार और शनिवार का दिन श्रेष्ठ हैं। इन दो दिनों के अलावा भी प्रतिदिन हनुमानजी के 12 चमत्कारिक नामों का जप करने से हर प्रकार की मनोकामनाएं पूरी हो जाती है और जीवन के सभी संकटों से मुक्ति मिल जाती है।

हनुमानजी के 12 चमत्कारिक नाम
हनुमान अंजनीसुत वायुपुत्र महाबल।
रामेष्ठ फाल्गुण सखा पिंगाक्ष।
अमित विक्रम उदधिक्रमण।
सीता शोक विनाशन लक्ष्मण प्राणदाता।
दशग्रीव दर्पहा।

हनुमानजी की यह स्तुति करती है हर समस्या का निदान

हनुमानजी को बजरंगबली, पवनसुत, मारुतिनंदन, केसरीनंदन इस तरह के कई नामों से उनकी स्तुति की जाती है। श्री हनुमान जी की स्तुति जिसमें उनके बारह नामों का उल्लेख मिलता है। इन नामों के जप से भक्तों को सभी प्रकार के कष्टों से मुक्ति मिलती है। आनंद रामायण 8/3/8-11 में उल्लेखित यह स्तुति अगर आप मंगलवार या शनिवार को करते हैं तो आपको इसका फल और भी जल्दी मिलने की संभावना रहती है।

दोहा

उर प्रतीति दृढ़, सरन ह्वै, पाठ करै धरि ध्यान।
बाधा सब हर, करैं सब काम सफल हनुमान॥

स्तुति

हनुमान अंजनी सूत् र्वायु पुत्रो महाबल:।
रामेष्ट: फाल्गुनसखा पिङ्गाक्षोऽमित विक्रम:॥
उदधिक्रमणश्चैव सीता शोकविनाशन:।
लक्ष्मणप्राणदाता च दशग्रीवस्य दर्पहा॥
एवं द्वादश नामानि कपीन्द्रस्य महात्मन:।
सायंकाले प्रबोधे च यात्राकाले च य: पठेत॥
तस्य सर्वभयं नास्ति रणे च विजयी भवेत।

भक्तों के कष्ट हरते हैं मंगल मूर्ति मारुति नंदन पवनसुत हनुमान

हनुमान जयंती पवनपुत्र हनुमान के जन्म की प्रसंग तिथि है। हनुमान शिव के ग्यारहवें अवतार के रूप में सर्वत्र पूजनीय हैं। चूंकि शिव भी राम का स्मरण करते हैं इसलिए उनके अवतार हनुमान को भी राम नाम प्रिय है। हनुमान बल और बुद्धि के देव हैं। रामकथा उनके बिना पूरी नहीं होती। वे धर्म में इस शिक्षा के साथ हैं कि अपनी बुद्धि और बल के गर्व से दूर रहते हुए, विनम्र होकर ही संसार का आदर प्राप्त किया जा सकता है। उनका श्रद्धाभाव अतुलनीय है। मंदिरों में हनुमानजी की मूर्ति को पर्वत उठाए और राक्षस का मान मर्दन करते हुए दिखाया जाता है लेकिन राम मंदिरों में वे प्रभु चरणों में मस्तक झुकाए बैठे हैं। वे अनुपम भक्त हैं। हनुमान के संबंध में एक लोककथा है कि एक बार वे माता अंजनी को रामायण सुना रहे थे। उनकी कथा से प्रभावित माता अंजनी ने पूछा, तुम इतने शक्तिशाली हो कि तुम्हारी पूंछ के एक वार से पूरी लंका को उड़ा सकते थे, रावण को मार सकते थे और मां सीता को छुड़ाकर ला सकते हो फिर तुमने ऐसा क्यों नहीं किया? अगर तुम ऐसा करते तो युद्ध में नष्ट हुआ समय बच जाता? हनुमान विनम्रता से कहते हैं, क्योंकि राम ने कभी मुझे ऐसा करने के लिए नहीं कहा। राम के प्रति इस अगाध श्रद्धा के कारण हनुमान पूरे संसार में पूजे जाते हैं। हनुमान जयंती के दिन अगर भक्त 7 बार हनुमान चालीसा का पाठ करते हैं तो उनके कष्टों का हरण होता है। हनुमान बाण से सभी तरह के तांत्रिक रोगों का नाश होता है। राम नाम मात्र से ही वे सारे मनोरथ पूरे करते हैं।

रामकथा सुनते हैं हनुमान

माना जाता है कि जहां रामकथा होती है वहां हनुमान कथा सुनने पहुंचते हैं। कहा गया है एक बार राजदरबार में श्रीराम ने हनुमान को अपने गले से मोती की माला उतार कर दी। हनुमान ने हर एक मोती को दांत से काटकर देखा और पूरी माला तोड़ दी। श्रीराम ने पूछा इतनी सुंदर माला तुमने दांत से काट-काटकर क्यों फेंक दी। हनुमान ने कहा कि प्रभु जिस वस्तु में आप नहीं वह मेरे किस काम की। तब श्रीराम ने पूछा, तुम्हारे हृदय में श्रीराम का निवास है? हनुमान ने हृदय चीरकर दिखाया कि उसमें राम, लक्ष्मण और सीता विद्यमान है। हनुमान को राम नाम प्रिय है। जहां भी रामकथा होती है वहां वे कथा श्रवण आते हैं।

हर समस्या का समाधान है हनुमानजी के पास

हनुमान जी कलयुग में जीवित देवता के रूप में माने जाते हैं। हिंदू धर्म ग्रंथों के अनुसार हनुमान जी एकमात्र ऐसे देवता हैं, जो सशरीर इस पृथ्वी पर विचरण करते हैं, और अपने भक्तों की हर मनोकामना पूरी करते हैं। मान्यता है कि हनुमान जी का जन्म मंगलवार को हुआ था। इसीलिए मंगलवार के दिन उनकी पूजा का विशेष महत्व है। इसके अतिरिक्त शनिवार को भी हनुमान पूजा का विधान है। हनुमान जी को प्रसन्न करना बहुत सरल है। राह चलते उनका नाम स्मरण करने मात्र से ही सारे संकट दूर हो जाते हैं। मानव जीवन का सबसे बड़ा दुख भय है और जो साधक श्री हनुमान जी का नाम स्मरण कर लेता है वह भय से मुक्ति प्राप्त कर लेता है। हनुमान जी की उपासना से बुद्धि, यश, शौर्य, साहस और आरोग्यता में वृद्धि होती है।

परेशानी दूर करने के अचूक उपाय

रोज हनुमान चालीसा और बजरंग बाण का पाठ करने वाले भक्तों को सभी सुख मिलते हैं और धन की प्राप्ति होती है। ऐसे लोगों को किसी भी प्रकार की कोई परेशानी नहीं होती और उनकी किस्मत का सितारा चमक जाता है। सुंदरकांड श्रीरामचरितमानस का चौथा अध्याय है। यह श्रीरामचरितमानस का सबसे अधिक पढ़ा जाने वाला भाग है क्योंकि इसमें हनुमान जी के बल, बुद्धि, पराक्रम व शौर्य का वर्णन किया गया है। सुंदरकांड के पढने् व सुनने से मन में एक अद्भुत ऊर्जा का संचार होता है। सुंदरकांड के हर दोहा, चौपाई व शब्द में गहन अध्यात्म छुपा है, जिससे मनुष्य जीवन की हर समस्या का सामना कर सकता है। विवाहित स्त्रियां अपने पति या स्वामी की लंबी उम्र के लिए मांग में सिंदूर लगाती हैं, ठीक उसी प्रकार हनुमानजी भी अपने स्वामी श्रीराम के लिए पूरे शरीर पर सिंदूर लगाते हैं। इसलिए मंगलवार को हनुमान जी के मंदिर में जाकर उन्हें सिंदूर व चमेली का तेल अर्पित करें। आपकी मनोकामनाएं जरूर पूरीं होगीं।

मुझे हमेशा से एक्शन पसंद, जाट को लेकर उत्साहित हूं

अभिनेता रणदीप हुड्डा क्रिस हेम्सवर्थ अभिनीत फिल्म एक्सट्रैक्शन की रिलीज के पांच साल बाद एक्शन जोन में वापस कदम रखने को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने माना कि उन्हें हमेशा एक्शन जॉनर पसंद रहा है क्योंकि इसमें कुछ नया और रोमांच होता है। जल्द ही वो जाट में अहम किरदार निभाते नजर आएंगे। एक्सट्रैक्शन सैम हार्ग्रेव द्वारा निर्देशित और रुसो ब्रदर्स द्वारा निर्मित है, जो 2020 में नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। अब जाट के साथ, वह एक एक्शन स्टार की भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। इसमें उन्होंने रणतुंगा की भूमिका निभाई है। एक्शन में अपनी वापसी के बारे में बात करते हुए, रणदीप हुड्डा ने कहा, मुझे हमेशा से एक्शन शैली पसंद रही है। इसमें कुछ नयापन, भावनाओं को झकझोरने का माद्दा और रोमांच होता है। बायोपिक्स में गंभीर किरदार निभाने के बाद जाट में खतरनाक रणतुंगा का रोल मेरे अलग ही किरदार को प्रदर्शित करता है। अभिनेता ने कहा कि वह एक्शन को मिस कर रहे थे और 'जाट' उन्हें उस स्थान पर वापस ले आया। रणदीप ने कहा- कोरियोग्राफी से लेकर एक्शन तक काफी डिमांडिग था लेकिन यह एक चुनौतीपूर्ण लेकिन संतोषजनक अनुभव रहा है। एक ऐसा किरदार निभाना जो जितना करिश्माई है उतना ही निर्दयी भी है, कुछ ऐसा है जिसे लेकर मैं वाकई उत्सुक हूं। एक्सट्रैक्शन मेरे लिए अपनी तरह की पहली फिल्म थी ये एक रोमांचकारी अनुभव था। जाट की बात करें तो इसका निर्देशन गोपीचंद मालिनेनी ने किया है। इसमें विनीत कुमार सिंह, सैयामी खेर और रेजिना कैसांद्रा भी हैं। प्रत्येक अभिनेता अपनी भूमिका में अनूठापन और गहराई लाता है। फिल्म का संगीत थमन एस ने दिया है। संपादन नवीन नूली ने किया है। दावा है कि फिल्म दर्शकों को मनोरंजन की दुनिया की अद्भुत सैर पर ले जाएगी। मैथ्री मूवी मेकर्स और पीपल मीडिया फैक्ट्री द्वारा निर्मित यह फिल्म 10 अप्रैल को हिंदी, तमिल और तेलुगू भाषा में रिलीज होगी।

क्या करण जौहर की राह चलेंगी आलिया?
नई प्रतिभाओं को करेंगी लॉन्च

आलिया भट्ट ने साल 2012 में फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर से अभिनय की दुनिया में कदम रखे थे। उन्हें करण जौहर ने लॉन्च किया था। तब से अब तक आलिया ने कई कमाल की फिल्मों में काम किया है और सिलसिला जारी है। वे प्रोडक्शन की दुनिया में भी कदम रख चुकी हैं। साल 2021 में आलिया ने अपना प्रोडक्शन हाउस एटरनल सनशाइन प्रोडक्शंस लॉन्च किया था। इसके बैनर तले उन्होंने रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के साथ मिलकर पहली फिल्म डार्लिंग्स बनाई। अब मीडिया रिपोर्ट्स में दावे किए जा रहे हैं कि आलिया एक वेब सीरीज का निर्माण करने वाली हैं।

नई कास्ट को करेंगी लॉन्च

आलिया भट्ट की पिछली दो फिल्में- हार्ट ऑफ स्टोन और जिगरा बॉक्स ऑफिस पर उम्मीदों पर खरी नहीं उतर पाईं। अब आलिया शिव रवैल के निर्देशन में बन रही स्पाई एक्शन ड्रामा फिल्म अल्फा में नजर आएंगी। इस बीच अभिनेत्री को लेकर एक दिलचस्प खबर सामने आई है। कहा जा रहा है कि आलिया एक एडल्ट वेब सीरीज प्रोड्यूस करेंगी। तेलुगु 123 की रिपोर्ट के अनुसार, आलिया भट्ट अपनी इस वेब सीरीज को पूरी तरह नई कास्ट के साथ बनाएंगी।

क्या आलिया पकड़ेंगी करण जौहर की राह?

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक आलिया भट्ट को चार नए चेहरों की तलाश है, जिन्हें वे इस वेब सीरीज के जरिए लॉन्च करेंगी। हालांकि, फिलहाल आधिकारिक रूप से ऐसी कोई जानकारी अब तक सामने नहीं आई है। लेकिन, अगर खबरों में सच्चाई है तो देखना यह भी दिलचस्प होगा कि आलिया आउटसाइडर्स को मौका देती हैं या करण जौहर की तरह स्टारकिड्स पर भरोसा जताएंगी। मालूम हो कि करण जौहर स्टारकिड्स को लॉन्च करने के लिए जाने जाते हैं।

इस ओटीटी पर आने की चर्चा

बतौर निर्माता आलिया की पहली फिल्म डार्लिंग्स साल 2022 में नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। आलिया ने इसमें लीड रोल किया था और उनके अपोजिट विजय वर्मा नजर आए थे। विजय ने आलिया के शराबी पति की भूमिका निभाई थी। आलिया की सीरीज को लेकर कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि यह प्राइम वीडियो पर आएगी। फिलहाल आधिकारिक तौर पर कब एलान होता है? इसका इंतजार है!

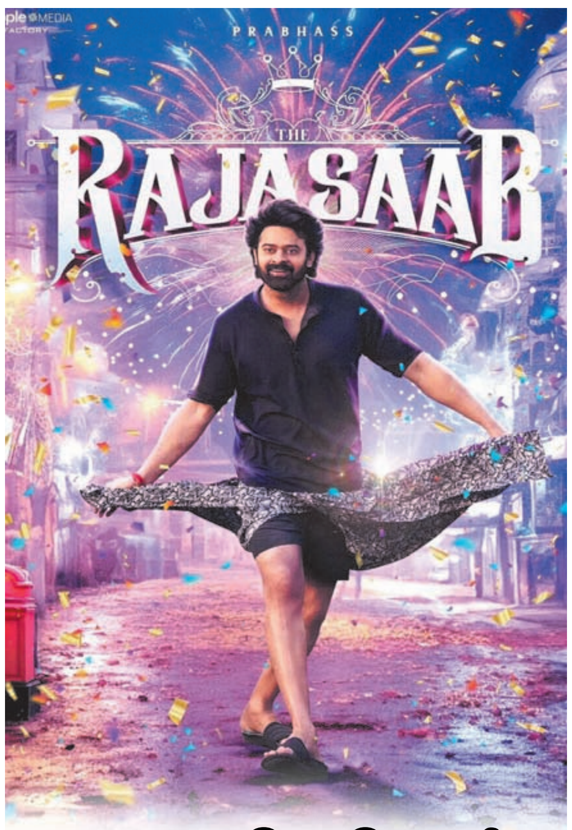

एक बार फिर खिसकी द राजा साब की रिलीज डेट, अब इस साल दस्तक नहीं देगी प्रभास की फिल्म

साउथ सुपरस्टार प्रभास अपनी अगली फिल्म द राजा साब को लेकर चर्चा में हैं। वहीं, फैंस के बीच फिल्म को लेकर उत्साह देखने को मिल रहा है। प्रभास की आने वाली हॉरर रोमांटिक कॉमेडी फिल्म द राजा साब प्रशंसकों के बीच काफी चर्चा में है। फिल्म की रिलीज को कई बार देरी का सामना करना पड़ रहा है। अब खबर आ रही है कि फिल्म एक बार फिर आगे की रिलीज के लिए खिसक गई है।

पोस्टपोन हुई द राजा साब

प्रभास की बहुप्रतीक्षित फिल्म द राजा साब एक बार फिर पोस्टपोन हो गई है। मूल रूप से यह फिल्म 10 अप्रैल को रिलीज होने वाली थी, लेकिन इसकी रिलीज को टाल दिया गया था और खबर थी कि यह फिल्म 2025 के मध्य में रिलीज होगी। हालांकि, अब इस फिल्म को फिर आगे खिसका दिया गया। मारुति दासरी द्वारा निर्देशित यह हॉरर-कॉमेडी इस साल स्क्रीन पर नहीं आएगी, यह संक्रांति 2026 तक रिलीज हो सकती है।

क्यों हुई फिल्म में देरी?

ओटीटी प्ले के अनुसार, दरअसल, 2025 के मध्य में कई फिल्में रिलीज होने के लिए तैयार है और इस वजह से ही फिल्म के लिए 2026 की संक्रांति का समय चुना गया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, निर्माता अभी भी लंबित वीएफएक्स भागों पर काम कर रहे हैं , जिसके कारण देरी हुई है। इसके अलावा, अपनी दूसरी फिल्म फौजी की शूटिंग के दौरान प्रभास के पैर में चोट लगने से द राजा साहब की शूटिंग प्रभावित हुई है।

प्रभास की आने वाली फिल्म

यह फिल्म प्रभास की पहली हॉरर-कॉमेडी फिल्म होगी और इसमें वह दोहरी भूमिका में नजर आएंगे, जिसमें वह वृद्ध व्यक्ति की भूमिका भी निभाएंगे। फिल्म में मालविका मोहनन, संजय दत्त और निधि अग्रवाल भी हैं। द राजा साहब के अलावा प्रभास की कई फिल्में पाइपलाइन में हैं।वह निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा के साथ स्पिरिट, एक्शन-ड्रामा सालार 2 और नाग अश्विन की कल्कि 2898 एडी सीक्वल में अभिनय करेंगे। पौराणिक ड्रामा फिल्म कन्नप्पा में भी उनकी विशेष भूमिका है।

अंजिनि धवन ने भाई-भतीजावाद पर इब्राहिम-खुशी का किया बचाव

अंजिनी धवन जो हाल ही में सलमान खान की फिल्म सिकंदर में नजर आईं थीं, उन्होंने फिल्म नादानियां में इब्राहिम अली खान और खुशी कपूर के ट्रोल होने पर अपनी बात रखी है। बॉलीवुड बबल के साथ बातचीत में अंजिनि धवन ने नादानियां में भाई-भतीजावाद के इल्जाम को लेकर इब्राहिम और खुशी का बचाव किया है। उन्होंने कहा कि आलोचना बहुत निजी मामला हो जाता है। किसी भी फिल्म की कामयाबी या नाकामी किसी एक पर निर्भर नहीं करती है। इसमें कई लोग काम करते हैं। इसलिए यह सब पर निर्भर करती है। फिल्म नादानियां साल 2025 के शुरूआत में रिलीज हुई थी। यह फिल्म रोमांटिक कॉमेडी है। इसका निर्देशन शाउना गौतम ने किया था। फिल्म के निर्माता करण जौहर, अपूर्व मेहता और सोमेन मिश्रा थे। इस फिल्म से सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान और खुशी कपूर ने बॉलीवुड में डेब्यू किया था। फिल्म में महिमा चौधरी, दिया मिर्जा और सुनील शेट्टी थे।

नादानियां पर मिली-जुली प्रतिक्रिया

फिल्म नादानियां को मिलीजुली प्रतिक्रिया मिली थी। नादानियां से बॉलीवुड में भाई-भतीजावाद पर फिर से नई बहस छिड़ी थी। हालांकि कई दर्शकों ने कहा कि फिल्म की क्वालिटी अच्छी नहीं थी। जबकि कुछ लोग फिल्म के सपोर्ट में भी आए और इसके विचार का समर्थन किया। फिल्म में स्टार किड्स इब्राहिम अली खान और खुशी कपूर के लॉन्च पर बॉलीवुड में इस बात की चर्चा तेज हुई कि सितारों के बच्चों को फिल्मों में खास मौका दिया जाता है।

वरुण धवन की फिल्मों की तारीफ

अंजिनी ने अपने चचेरे भाई वरुण धवन के फिल्मी करियर की तारीफ की। उन्होंने उनकी चार फिल्मों के बारे में बताया जो उन्हें बहुत पसंद आईं। उन्हें बदलापुर, अक्टूबर, मैं तेरा हीरो और हम्प्टी शर्मा की दुल्हनिया बहुत पसंद आईं।

छावा के बाद प्रशांत वर्मा की फिल्म महाकाली में नजर आएंगे अक्षय खन्ना

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय खन्ना एक बार फिर सुर्खियों में हैं। हाल ही में रिलीज हुई फिल्म छावा में औरंगजेब के किरदार से सबका हैरान कर देने के बाद अब वह अपनी अगली बड़ी फिल्म के साथ तैयार हैं। अक्षय ने प्रशांत वर्मा की फिल्म महाकाली साइन की है। यह फिल्म प्रशांत वर्मा सिनेमैटिक यूनिवर्स (पीवीसीयू) की तीसरी कड़ी होगी। फिल्म का निर्देशन पूजा अपर्णा कोल्लुरु कर रही हैं। ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने सोशल मीडिया पर इस खबर की पुष्टि की। उन्होंने लिखा कि अक्षय खन्ना महाकाली में एक अहम भूमिका निभाएंगे। यह फिल्म आरकेडी स्टूडियोज के बैनर तले बन रही है। हनु-मान की शानदार सफलता के बाद अब महाकाली इस यूनिवर्स की अगली सुपरहीरो फिल्म होगी। यह एक पैन-इंडिया प्रोजेक्ट है जो देशभर के दर्शकों तक पहुंचेगा।

ऋतिक रोशन 'कृष 4' के डायरेक्शन पर बोले राकेश रोशन

ऋतिक रोशन ने भी अपने पिता राकेश रोशन की तरह एक्टिंग करने के बाद निर्देशक बनने की तरफ कदम बढ़ा दिया है। वह अपनी ही आने वाली फिल्म 'कृष 4' का निर्देशन करेंगे। इस फिल्म के बारे में, निर्देशक की कुर्सी पर बैठने के अनुभव के बारे में ऋतिक ने अपने मन की बातें एक इवेंट में साझा की है। इस इवेंट में उनके कई फैंस भी मौजूद थे।

कैसा महसूस कर रहे हैं ऋतिक रोशन

ऋतिक रोशन के कुछ वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं, जिसमें वह एक इवेंट में नजर आ रहे हैं। इसी इवेंट में अपनी फिल्म 'कृष 4' के बारे में उन्होंने बात की। फिल्म 'कृष 4' को लेकर ऋतिक कहते हैं, 'मुझे मोटिवेशन की जरूरत है। मैं काफी नर्वस हूं।' फिल्म 'कृष 4' के निर्देशन की जिम्मेदारी अब ऋतिक रोशन के कंधों पर है।

लीड रोल में ऋतिक आते हैं नजर

साइंस फिक्शन, सुपर हीरो की कहानी वाली 'कृष' सीरीज की फिल्मों में ऋतिक की कृष के रोल में नजर आते हैं। 'कृष' सीरीज की अच्छी खासी फैन फॉलोइंग है, दर्शकों को इस सीरीज की फिल्मों का इंतजार रहता है। इस सीरीज की अब तक की फिल्मों को ऋतिक के पिता राकेश रोशन ने निर्देशित किया था। अब ये काम ऋतिक करेंगे।

ऋतिक रोशन की आने वाली फिल्में

फिल्म 'कृष 4' का जहां ऋतिक रोशन निर्देशन कर रहे हैं। वहीं बतौर एक्टर भी उनकी कुछ फिल्म आने वाली हैं। इसमें 'वॉर 2' फिल्म भी शामिल है। इस फिल्म में उनके साथ साउथ एक्टर जूनियर एनटीआर नजर आएंगे। इस फिल्म की शूटिंग के लिए कुछ दिन पहले जूनियर एनटीआर मुंबई में ही थे। जूनियर एनटीआर को ऋतिक अपना पसंदीदा को-एक्टर भी बताते हैं।

मैं जो भी काम करता, उसे आउटडेटेड बोलते थे, मगर गदर 2 के बाद...

चार दशकों से लोगों के दिलों पर राज कर रहे बॉलिवुड स्टार सनी देयोल इन दिनों बेहद खुश हैं। पिछले कुछ सालों से अच्छी स्क्रिप्ट्स के लिए तरसने वाले सनी पाजी गदर 2 की सुपर सक्सेस के बाद कई बड़ी फिल्मों में दिखेंगे। इसकी शुरुआत सुपरहिट फिल्म पुष्पा के मेकर्स की एक्शन फिल्म जाट से हो रही है।

आप साउथ की फिल्ममेकिंग स्टाइल से काफी खुश दिखे? उनकी फिल्में सफल भी रही हैं। वे क्या सही कर रहे हैं, जो बॉलिवुड को सीखने की जरूरत है?

सनी देओल ने कहा, सीखने की बात नहीं है। हमारा खुद का सिनेमा ऐसा ही हुआ करता था, देसी कहानियां, लार्जर दैन लाइफ हीरो। मैंने कितनी ऐसी हिंदी फिल्में की हैं, मगर बाद में हमने वो बनानी बंद कर दी। जबकि, साउथ की वैसी ही फिल्में डब होकर आने लगीं, जो पूरा देश देखता था। फिर जब हमें वैसी फिल्म बनानी होती तो साउथ की रीमेक करने लगे। हमारे राइटर, डायरेक्टर्स ने वो कहानियां सोचनी बंद कर दीं, क्योंकि उनको मौका नहीं मिल रहा था। मल्टीप्लेक्स आने के बाद मेकर्स सिर्फ सीमित शहरी ऑडियंस को टार्गेट करने लगे और चूंकि वही फिल्में उन्हें बिजनेस दे रही थीं तो वे खुश भी थे। अब गदर 2 इतनी सफल हुई, मगर जब हम उसे बना रहे थे तो सब कह रहे थे कि ये आउटडेटेड है। ऐसा सिनेमा नहीं चलता। आर्ट मॉडर्न है, ये है वो है तो हमें समझ में नहीं आ रहा था कि ये मॉडर्न और आउटडेटेड क्या होता है? मगर दौर वैसा ही चल रहा था। मैं जो भी काम करता, उसे आउटडेटेड बोलते थे। मगर जब गदर 2 चल गई, तब बोलते हैं अरे यार, गलती हो गई। हम भी ऐसा ही कुछ बनाते हैं तो ये हमेशा रहा है और ऐसा ही चलता रहेगा। जब कोई चीज सफल हो जाती है तो सब उसके पीछे भागते हैं। हमें अपनी कहानियों पर यकीन करना जरूरी है।

गदर 2 की सफलता के बाद आपकी जिंदगी कितनी बदली?

गदर 2 के बाद मैंने ढेर सारी फिल्में कर रहा हूं। वरना उससे पहले मुझे फिल्में करने में मुश्किल होती थी, क्योंकि मन मुताबिक ऑफर ही नहीं मिलते थे। मैं अक्सर कहता हूं कि मेरी स्ट्रगल गदर के बाद शुरू हुई। उससे पहले मुझे पता नहीं था कि स्ट्रगल क्या होता है। मैं जो भी करना चाहता था, कहानी अच्छी लगती थी, फिल्म बना लेते थे। गदर के बाद उस तरह की चीजें मेरे हाथ में आनी बंद हो गईं। मैं जैसा सिनेमा करना चाह रहा था, वो नहीं कर पा रहा था। मगर मैं ऐसा इंसान हूं कि लगा रहता हूं। इसलिए बस लगा रहा। प्रड्यूसर था तो फिल्में खुद बनाईं, डायरेक्ट भी कीं। जो फिल्में नहीं करनी थी, वो भी करता गया, करता गया, क्योंकि मैं ऐसा ही हूं। मैं लगा रहता हूं।

आप जाट, लाहौर 1947, बॉर्डर 2, रामायण इतनी सारी फिल्मों पर एक साथ काम कर रहे हैं। 69 की उम्र में खुद को इतना फिट कैसे रखते हैं, क्योंकि कहीं न कहीं शरीर की अपनी एक क्षमता होती है?

मैं ऐसे नहीं सोचता। मुझे नहीं लगता है कि मेरी उम्र बहुत हो गई है। मुझे याद है कि जब 80 के दशक में मैं फिल्मों में आया था और शूट करता था तो मेरे इतने ज्यादा एक्सिडेंट हुए थे। मेरी पीठ में दिक्कत हुई, छह-छह महीने मैं बिस्तर में रहा। मेरे शरीर का पुर्जा-पुर्जा टूटा है, लेकिन इस वजह से मैंने कभी ये नहीं सोचा कि मैं ये नहीं करूंगा, वो नहीं करूंगा। मैं चलता रहा, जहां तक मेरे शरीर ने साथ दिया। इसलिए मैं कह रहा हूं कि मुझे पता नहीं कि मेरी उम्र क्या है, क्योंकि मैं वो कर रहा हूं जो मुझे करना है।

हैंड पंप उखाड़ने के आइकॉनिक सीन के बाद जाट में आप पंखा घुमा रहे हैं। ऐक्शन से इतना लगाव क्यों? क्योंकि कहीं न कहीं इस फिल्म में भी आपकी वही इमेज भुनाने की कोशिश दिख रही है!

इमेज भुनाने की कोशिश नहीं है। ये तो फिल्म की कहानी पर निर्भर करता है, जहां ऐक्शन की जरूरत होती है, वहां करते हैं। राइटर्स पब्लिक को एंटरटेन करने के लिए जरूरत के हिसाब से सीन लिखते हैं। मगर, ये तो है कि इतने समय से ऐक्शन करते-करते वो इमेज इतना बड़ा हो गया है कि मैं चाहूं भी तो उससे नहीं निकल पाता। मुझे पता है कि ऑडियंस को देखना ही वो है जो बहुत बड़ा हो, जिसे देखकर उन्हें लगे कि मजा आया।

समाचार गेट
HARHIN11569
स्वामी (मुद्रक, प्रकाशक) रवीना यादव द्वारा साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर-6, नोएडा 201301, उत्तर प्रदेश से मुद्रित करवाकर कार्यालय मकान नंबर 2, नियर सेक्टर-61, विलेज मलेरना, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) से प्रकाशित किया। संपादक: कृष्णा शर्मा। संपादकीय कार्यालय: मकान नंबर 2, नियर सेक्टर-61, विलेज मलेरना, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) पीआरपी एक्ट के अंतर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा। कानूनी सलाहकार: बृहमदत शर्मा, 9818180269, ईमेल : krishna24news@gmail.com

नशा मुक्त बनाने के लिए निकाली साइकिल रैली

खुद साइकिल चला संदीप गहलान ने दिया हरियाणा को नशा मुक्त बनाने का संदेश

समाचार गेट/सुमित गोयल

फरीदाबाद। हरियाणा को ड्रग फ्री बनाने का संदेश लेकर साइक्लोथाँन शुक्रवार को सेक्टर 12 फरीदाबाद पहुंची जहां एफ डी ए फरीदाबाद और फरीदाबाद केमिस्ट एसोसिएशन की टीम ने जोरदार स्वागत किया। अधिक जानकारी देते हुए फरीदाबाद के औषधि नियंत्रक अधिकारी संदीप गहलान ने बताया कि हरियाणा को नशामुक्त बनाने के अभियान में एफ डी ए फरीदाबाद व केमिस्ट एसोसिएशन के लगभग हजारों रिटेलर्स व होलसेलर्स ने हिस्सा लिया है और जिसमें 300 से अधिक प्रतिभागियों ने साइकिल रैली में सक्रिय भूमिका निभाई। इस साइकिल रैली में विशेष बात यह भी रही कि औषधि नियंत्रक अधिकारी संदीप गहलान ने खुद भी साइकिल चला कर सभी केमिस्टों का उत्साह वर्धन किया।

रैली के दौरान कुछ केमिस्टों ने रास्ते में जलपान आदि की व्यवस्था कर सहयोग किया। फरीदाबाद जिले के वरिष्ठ औषधि नियंत्रक अधिकारी करन गोदारा ने कहा कि नशा इंसान के लिए विनाशकारी है जिससे हमें पूरी तरह से नकारना चाहिए। यह ड्रग फ्री फरीदाबाद यात्रा सामाजिक बुराई के खिलाफ जन आंदोलन है। इस अवसर पर बल्लभगढ़ के औषधि नियंत्रक अधिकारी प्रवीण राठी ने बताया कि एफ डी ए फरीदाबाद नशा मुक्त फरीदाबाद बनाने के लिए पूर्ण रूप से वचनबद्ध है।

इस अवसर पर वरिष्ठ औषधि नियंत्रक अधिकारी करन गोदारा, औषधि नियंत्रक अधिकारी संदीप गहलान, औषधि नियंत्रक अधिकारी पूजा चौधरी, औषधि नियंत्रक अधिकारी प्रवीण राठी, फरीदाबाद केमिस्ट एसोसिएशन के प्रधान श्रीचन्द मंगला, श्री बालाजी मेडिकल एजेंसी से सुरेश जैन, लाइफ केयर फार्मेसी से हरिकृष्ण मंगला, ज्ञानदीप एंटरप्राइज से दीपक गर्ग, किशोर मेडिकल से नन्द किशोर वैष्णव व श्री गोपाल मेडिकल स्टोर से नितिन मंगला सहित अनेकों केमिस्ट मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

समाज के लिए अभिशाप है बाल विवाह : एडीसी

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सेक्टर-7 और 10 में बाल विवाह न करने की दिलाई शपथ

समाचार गेट/सुमित गोयल

फरीदाबाद। बाल विवाह समाज में एक गंभीर समस्या बनी हुई है, जो की पूरे समाज की प्रगति को भी रोकते हैं। इसे रोकने के लिए केंद्र की मोदी सरकार एवं राज्य में नायब सिंह सरकार लगातार प्रयास कर रही हैं। बाल विवाह की समस्या को लेकर सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए, जिले के सरकारी स्कूलों और शिक्षण संस्थानों में बाल विवाह के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं। इसके अंतर्गत आज अतिरिक्त उपायुक्त (एडीसी) साहिल गुप्ता के मार्गदर्शन में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सेक्टर-7 और राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सेक्टर-10 में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनके माध्यम से विद्यार्थियों को बाल विवाह के खिलाफ जागरूक किया गया एवं उनको बाल विवाह न करने की शपथ भी दिलाई गयी।

इस अवसर पर संरक्षण एवं बाल विवाह निषेध अधिकारी हेमा कौशिक ने बताया कि दोनों स्कूलों में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को बाल विवाह के दुष्परिणामों से अवगत कराया। कार्यक्रम में स्कूल प्रशासन, शिक्षकों, और स्थानीय प्रशासन के अधिकारी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आरंभ शपथ ग्रहण से हुआ, जिसमें विद्यार्थियों ने एकजुट होकर यह शपथ ली कि वे खुद कभी बाल विवाह नहीं करेंगे और न ही किसी को इसके लिए प्रेरित करेंगे। उन्होंने कहा कि बाल विवाह केवल एक सामाजिक समस्या नहीं है, बल्कि यह बच्चों के मानसिक और शारीरिक विकास को भी बाधित करता है। यह शिक्षा, स्वास्थ्य और जीवन के अन्य अवसरों को प्रभावित करता है। हम सभी को मिलकर इस कुप्रथा को समाप्त करने के लिए एक साथ आगे आकर कदम उठाने होंगे। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा बच्चों की शिक्षा और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए कई योजनाएं चल रही हैं, लेकिन समाज की जागरूकता और सहयोग के बिना इसे खत्म करना मुश्किल है। उन्होंने बताया कि बच्चों का शिक्षा प्राप्त करना, उनका मानसिक और शारीरिक विकास सुनिश्चित करना, समाज की जिम्मेदारी है। जब तक समाज बाल विवाह जैसी प्रथाओं के खिलाफ जागरूक नहीं होगा, तब तक इस समस्या का समाधान नहीं हो सकता। इस अवसर पर स्कूली छात्र, अध्यापक और संबंधित विभागों के अधिकारीगण मौजूद रहे।

श्री अग्रसेन समाज द्वारा कुलदीप अग्रवाल को पायलट बनने पर प्रतीक चिन्ह व बुक्के देकर किया सम्मानित

समाचार गेट/सुमित गोयल

फरीदाबाद। श्री अग्रसेन समाज रजि. द्वारा अग्रवाल वैश्य समाज के प्रदेश उपाध्यक्ष राजेश अग्रवाल के बेटे कुलदीप अग्रवाल को पायलट बनने पर उनके निवास स्थान नीलकण्ठ सैक्टर- 9 पर जाकर शुभकामनाएं दी और श्री अग्रसेन समाज रजि० फरीदाबाद के सभी सदस्यों एवं सभी पद अधिकारियों द्वारा महाराजा अग्रसेन जी का प्रतीक चिह्न व बुक्का देकर बधाई दी। एवं कुलदीप अग्रवाल भविष्य में और तरक्की करें इसके लिए उन्हें शुभकामना दी। इस मौके पर श्री अग्रसेन समाज रजि० फरीदाबाद के उपाध्यक्ष डॉ संजय गर्ग (तिगांव वाले), सचिव भगवत अग्रवाल, मिडिया प्रभारी अधिवक्ता दिनेश गोयल एवं अधिवक्ता नरेश मित्तल मौजूद रहे।

अग्रवाल कॉलेज में जालियांवाला बाग हत्याकांड पर दिखाई गयी डाक्यूमेंट्री

समाचार गेट/सुमित गोयल

बल्लभगढ़। अग्रवाल कॉलेज बल्लबगढ़ में जालियांवाला बाग हत्याकांड स्मृति दिवस - इतिहास का एक काला अध्याय किंतु स्वतंत्रता संग्राम का अनुस्मारक विषय पर डाक्यूमेंट्री का प्रदर्शन किया गया। अग्रवाल विद्या प्रचारिणी सभा के प्रधान एवं अग्रवाल महाविद्यालय अध्यक्ष देवेंद्र गुप्ता, महासचिव एडवोकेट दिनेश कुमार गुप्ता एवं महाविद्यालय प्राचार्य डॉ० संजीव गुप्ता के संरक्षण में महाविद्यालय में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इसी श्रृंखला में जालियांवाला बाग नरसंहार दिवस पर इस कार्यक्रम का आयोजन किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ० संजीव कुमार गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि जालियांवाला बाग हत्याकांड भारतीय इतिहास में काले अध्याय के रूप में दर्ज है और जलियांवाला बाग हत्याकांड ने पूरे भारत को झकझोर कर रख दिया। इसने ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन की क्रूर प्रकृति को उजागर किया और व्यापक निंदा को जन्म दिया।

कार्यक्रम की संयोजिका व सोशल साइंस फोरम की कन्वीनर डॉ० सुप्रिया ढांडा ने विद्यार्थियों को बताया कि जलियाँवाला बाग हत्याकांड, 1919, भारतीय इतिहास की सबसे दर्दनाक घटनाओं में से एक है। यह त्रासदीपूर्ण घटना 13 अप्रैल, 1919 को ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के अधीन पंजाब के अमृतसर में घटी थी। इस हत्याकांड ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम पर अमिट छाप छोड़ी। जनरल रेजिनाल्ड डायर के आदेश के तहत ब्रिटिश सैनिकों द्वारा जलियांवाला बाग में एकत्रित हजारों निर्दोष लोगों को बेरहमी से मार डाला गया और घायल कर दिया गया। डॉ० सुप्रिया ने बताया कि आधिकारिक ब्रिटिश रिपोर्ट में लगभग 379 मौतों और 1200 से अधिक घायलों का दावा किया गया था, लेकिन अनाधिकारिक आंकड़ों के अनुसार मरने वालों की संख्या 1,000 से अधिक थी और अनगिनत घायल हुए। बाग के संकरे रास्ते और ऊंची दीवारों ने लोगों को फंसा दिया जिससे भागना लगभग असंभव हो गया। गोलियों से बचने के लिए कई लोग बाग के अंदर स्थित एक कुएं में कूद पड़े। सोशल साइंस फोरम के सदस्यों डॉ ऋतु, डॉ पूजा सैनी, डॉ इनायत और डॉ रेनू माहेश्वरी के प्रयासों से यह कार्यक्रम सफल एवं सार्थक रहा। डाक्यूमेंट्री के अंत में विद्यार्थियों ने अपनी कविताओं और भाषण प्रस्तुति से शहीदों की वीरता एवं बलिदान को नमन किया।

फरीदाबाद में भाजपा का सक्रिय सदस्यता सम्मेलन, कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने सक्रिय सदस्यों को किया जनसेवा के लिए प्रेरित

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। गुरुवार को फरीदाबाद विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी के सक्रिय सदस्यता सम्मेलन का भव्य आयोजन हुआ। किसान भवन में आयोजित इस सम्मेलन को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने सभी सक्रिय कार्यकर्ताओं को हार्दिक शुभकामनाएँ दी और उन्हें देश-प्रदेश में भाजपा सरकार द्वारा संचालित विकास कार्यों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने कहा कि 'विकसित भारत, विकसित हरियाणा' के संकल्प को साकार करने में भाजपा संगठन के समर्पित कार्यकर्ताओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष श्री पंकज पूजन रामपाल जी, मंडल अध्यक्षगण और सभी पार्षदगण की उपस्थिति ने कार्यक्रम को और अधिक सशक्त बनाया।

भाजपा के एक सक्रिय सदस्य के रूप में सम्मेलन में भाग लेने वाले सभी सदस्यों को बधाई देते हुए विपुल गोयल ने कहा कि आप विश्व के सबसे बड़े राजनीतिक संगठन के सक्रिय सदस्य हैं, यह स्वयं में गौरव की बात है। सक्रिय सदस्य होने का तात्पर्य है कि आप पार्टी के किसी भी दायित्व के योग्य हैं, क्योंकि भाजपा में योग्यता ही सर्वोच्च मानदंड है।

विपुल गोयल ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी और मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी जी की डबल इंजन सरकार की उपलबधियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि चाहे बैंक खाता हो, डिजिटलीकरण हो, महिला सुरक्षा, नई शिक्षा नीति, रक्षा क्षेत्र का सशक्तिकरण या राष्ट्रीय सुरक्षासभी क्षेत्रों में अभूतपूर्व कार्य हुए हैं और देश आज उन सपनों को जी रहा है जो कभी असंभव प्रतीत होते थे।

सक्रिय सदस्यों को प्रोत्साहित करते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश की ईमानदार सरकार से विपक्ष की सथिति कमजोर हो गई है। विपक्ष के कई नेता भाजपा की नीतियों के मुरीद हो गए हैं जबकि अन्य खुलकर सामने आने से कतरा रहे हैं। आपकी मेहनत का ही परिणाम है कि हाल ही में हुए नगर निगम चुनावों में प्रवीण जोशी जी ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की और फरीदाबाद की मेयर बनीं, जिससे जनता का भाजपा पर विश्वास और मजबूत हुआ है।

भविष्य की दिशा तय करते विपुल गोयल ने कहा कि अब भाजपा का मुकाबला किसी विपक्षी पार्टी से नहीं बल्कि स्वयं से हैकैसे हम अपने ही रिकॉर्ड को तोड़ते हुए और बेहतर करें तथा जनसेवा के पथ पर अडिग रहें।

भगवान महावीर जयंती महोत्सव धूमधाम से मनाया गया

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद। श्री 1008 भगवान महावीर का जन्मोत्सव बड़ी धूमधाम से सेक्टर 16 दिगंबर जैन समाज द्वारा मनाया गया। सर्वप्रथम प्रातः मंदिर में विशेष पूजा अर्चना हुई उसके पश्चात श्री जी को रथ में विराजमान करके रथ यात्रा बैंड बाजे, घोड़े एवं झांकियां के साथ ओल्ड फरीदाबाद के मेन बाजार एमसीएफ ऑफिस होते हुए वापस मंदिर पहुंची। कार्यक्रम के पश्चात सभी के लिए भोजन प्रसाद की व्यवस्था मंदिर जी में की गई थी। प्रमुख समाजसेवी नरेंद्र जैन ने बताया की जैन धर्म के अंतिम तीर्थंकर महावीर भगवान ऐसे परमवीर वीतरागी साधक थे जिन्होंने आत्मा को परमात्मा के रूप में प्रतिष्ठित किया। मंदिर में महावीर जयंती की पूर्व संध्या पर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए थे। रथ यात्रा में पार्षद कुलदीप साहनी, मंदिर प्रधान मनीष जैन,प्रदीप जैन, विकास जैन, ऋषभ जैन, पारस जैन एवं धन कुमार जैन विशेष तौर पर उपस्थित थे।

शराब तस्करी के मामले में 2 आरोपियों को किया गिरफ्तार

समाचार गेट/सुमित गोयल

फरीदाबाद। फरीदाबाद पुलिस द्वारा लगातार शराब तस्करों पर कार्यवाही की जा रही है इसी कड़ी में कार्रवाई करते हुए शराब तस्करी के 2 अलग-अलग मामलों मे थाना सेक्टर-31 व पुलिस थाना सैंट्रल की टीम ने क्रमशः आरोपी पवन व रवि को अवैध शराब सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बतलाया कि थाना सेक्टर-31 की टीम ने आरोपी पवन वासी शंकर कालोनी फरीदाबाद को चैकिंग के दौरान 54 पव्वे देशी शराब व पुलिस थाना सैंट्रल की टीम ने रवि गांव अजरौंदा फरीदाबाद को प्राप्त सूचना के आधार पर नियर टाउन पार्क सेक्टर-12 से 24 बोतल बियर के साथ गिरफ्तार किया। दोनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। आरोपियों से पूछताछ के बाद नियमानुसार कार्यवाही की गई।

फ्री होम डिलीवरी, अखबार की कटिंग साथ लाने पर 10 प्रतिशत की छूट
संपर्क करें: 9811153271